वर्ष -15 अंक-29 प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित अनूपपुर 20 से 26 जुलाई 2023 Epaper-www.fatwasamachar.com
डाक पंजी- SDL-0019/2025 RNI-MPHIN/2008/24599

फतवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार पत्र
आपका विश्वास

पेज-2

पेज-3

पेज-6

सुविचार

शिक्षक से सवाल करना अच्छी बात है क्योंकि यह आपको ज्ञान के मार्ग की ओर ले जाता है...

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने सरकार पर लगाई 50000 की कास्ट

इंदौर नप्र। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने, सेवानिवृत्त डॉक्टर की याचिका पर सरकार के ऊपर 50000 रुपये की कास्ट लगाई है। डॉक्टर को विभाग द्वारा क्रमोन्नति का लाभ 1994 से नहीं दिया गया था। इस डाक्टर की 10 साल की गोपनीय रिपोर्ट सरकारी रिकॉर्ड में गायब है। डॉक्टर ने जब पहली बार याचिका लगाई,तो शासन ने जवाब नहीं दिया। हाईकोर्ट ने 5000 रुपये की कास्ट लगाई थी। इसके बाद शासन द्वारा एसीआर पेश की गई। इस पर हाईकोर्ट ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सरकार पर 50000 रुपये की कास्ट लगाकर,क्रमोन्नति का लाभ डॉक्टर को दिए जाने के आदेश दिए हैं। खंडपीठ के न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के समक्ष इस याचिका की सुनवाई हुई। सेवानिवृत्त डॉक्टर की ओर से अधिवक्ता अभिनव धनौतकर ने पैरवी की। सेवानिवृत्ति डॉक्टर को 1994 में क्रमोन्नति का लाभ मिलना था। जो अभी तक नहीं दिया गया था। हाईकोर्ट ने इस मामले का निराकरण करते हुए, सेवानिवृत्त डॉक्टर को सारे लंबित लाभ देने के आदेश सरकार को दिए हैं।

एंबुलेंस नहीं मिली मरीज ने अस्पताल में दम तोड़ा

छतरपुर नप्र। बक्सवाहा की जसोदा बंसल के बेटे, महेंद्र बंसल उम्र 38 वर्ष की पीठ में ट्यूमर था। ट्यूमर सोमवार की सुबह फट गया था। मरीज को अस्पताल ले जाने के लिए परिजनों ने कई बार 108 में फोन लगाया। फोन नहीं लगा, इसी बीच मां और पत्नी हाथ ठेले से बेटे को लेकर अस्पताल पहुंची। डॉक्टरों ने उसे दमोह के लिए रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने एंबुलेंस बुलाई, एंबुलेंस बहुत देर तक नहीं पहुंची। मरीज ने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया। उसके बाद अस्पताल से शव को ले जाने के लिए कोई वाहन नहीं दिया गया। जिसके कारण मृतक की लाश को हाथ ठेले पर लेकर जाना पड़ा। इस घटना के सामने आने के बाद, सीएमओ बक्सवाहा अब अपनी सफाई देते हुए नजर आ रहे हैं,कि परिवार द्वारा शव वाहन की मांग नहीं की गई थी। वाहन आने से पहले ही परिजन शव वहां से ठेले में लेकर चले गए थे। बुंदेलखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की हालत बहुत खराब है। अस्पताल पहुंचने के बाद भी मरीजों की जान बचाना बड़ा मुश्किल हो गया है। कभी डॉक्टर नहीं होते हैं, और कभी एंबुलेंस नहीं मिलती है। ठीक भी है, मरने के लिए कोई ना कोई कारण तो होना ही चाहिए।

विपक्ष की बैठक में खड़गे ने किया खुलासा

कांग्रेस को प्रधानमंत्री बनने में कोई दिलचस्पी नहीं

बेंगलुरु एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस को प्रधानमंत्री बनने में कोइ दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने यह बात विपक्षी बैठक के दौरान बेंगलुरु में कही। गौरतलब है कि कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में मंगलवार को दूसरे दिन भी विपक्षी दलों की महाबैठक चल रही है।

आज बैठक का दूसरा और अंतिम दिन है। इस मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए देशभर के 26 दलों के नेता पहुंचे हुए हैं। इस बैठक में हमारा इरादा अपने लिए सत्ता हासिल करना नहीं है। यह बैठक तो हमारे संविधान, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुग खरगे ने 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव से पहले रणनीति पर चर्चा करने के लिए हो रही बैठक में यह खुलासा किया है। खरगे ने विपक्ष की बैठक के दूसरे दिन की शुरुआत में ही कहा कि इस बैठक में हमारी मंशा अपने लिए सत्ता हासिल करने की नहीं है। हमारा इरादा हमारे संविधान, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की रक्षा करना है। उन्होंने स्वीकार किया कि विपक्षी दलों के बीच राज्य स्तर पर मतभेद हैं, लेकिनये मतभेद विचारधारा से संबंधित नहीं हैं।

ये मतभेद उतने बड़े नहीं है कि हम उन्हें महंगाई की मार झेल रहे मध्यम वर्ग और आम आदमी की खातिर, बेरोजगारी से जूझ रहे हमारे युवाओं की खातिर, गरीबों की खातिर और पर्दे के पीछे चुपचाप कुचले जा रहे दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों की खातिर पीछे नहीं छोड़ सकते।

मोदी से छुटकारा पाना चाहते हैं देश के लोगः केजरीवाल

बेंगलुरु में हुई विपक्षी दलों की बैठक से इस बात का संकेत मिल रहा है कि हर दल का नेता चाहता है कि बीजेपी को कैसे भी सत्ता से बाहर किया जा सके। जहां केजरीवाल ने अपने विचार प्रकट किए वहीं ममता ने भी इसे सार्थक बताया। इधर कांग्रेस ने भी बैठक से संतुष्टि जाहिर की है। बैठक की शुरुआत में नेताओं द्वारा केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को श्रद्धांजलि दी गई, इसके बाद बैठक शुरू हुई, गौरतलब है कि पूर्व सीएम का 79 वर्ष की आयु में आज निधन हो गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के उद्देश्य से 26 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं ने बैठक में महत्वपूर्ण विचार रखे।

मुख्यमंत्री चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

प्रदेश में सड़क और फ्लाई-ओवर निर्माण के लिये 1881 करोड़ की स्वीकृति

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में संशोधनों को स्वीकृति

भोपाल नप्र। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में फोरलेन मार्ग और फ्लाई-ओवर निर्माण के क्षेत्रों में मंजूरी दी। केंद्रीय सड़क अधो-संरचना निधि अंतर्गत सीहोर जिले में मालीवाया से सलकनपुर-नीलकछार तक फोरलेन मार्ग का निर्माण 147 करोड़ 92 लाख रूपये तथा राज्य योजना मद आयोजन अंतर्गत खण्डवा जिले में इंदौर इच्छापुर मार्ग से ओंकारेश्वर नये बस स्टेण्ड तक 4 लेन सड़क निर्माण कार्य के लिए लागत 193 करोड़ 22 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी किये जाने का अनुमोदन किया गया।

केन्द्रीय सड़क अधो-सरंचना निधि आयोजन अंतर्गत सतना जिले में नागोद से मैहर व्हाया सुरदहा परसमनिया-रामपुर-मैहर मार्ग का निर्माण लागत राशि 178 करोड़ 22 लाख, सागर जिले में शाहपुर-रंगोली-गिरवर-भैंसवाही-हिनगन-ढाना-भोकलपुर चौराहा (एन.एच.-44) तक मार्ग का निर्माण लागत राशि 129 करोड़ 81 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी किये जाने का अनुमोदन किया गया। केन्द्रीय सड़क अधो-सरंचना निधि अंतर्गत भोपाल शहर में भोपाल- इंदौर मार्ग पर संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में सीवेज पंप हाउस लाऊखेड़ी से नगर निगम विसर्जन घाट तक फ्लाई-ओव्हर के निर्माण की लागत राशि रूपये 306 करोड़ 40 लाख एवं ग्वालियर शहर के अंतर्गत महारानी लक्ष्मीबाई प्रतिमा से गिरवाई पुलिस चौकी ए.बी. रोड (एन. एच. 46) तक स्वर्णरेखा नदी पर फोरलेन ऐलीवेटेड कॉरीडोर/फ्लाय-ओव्हर के निर्माण की लागत राशि 926 करोड़ 21 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी किये जाने का अनुमोदन किया गया।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना- 2023 में महत्वपूर्ण संशोधन

मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में संशोधित प्रावधानों को प्रतिस्थापित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। योजना अंतर्गत पात्रता की कण्डिका 3.3 को संशोधित कर प्रतिस्थापित किए जाने की स्वीकृति दी गयी, जो है- आवेदन के कैलेण्डर वर्ष में, 01 जनवरी की स्थिति में 21 वर्ष पूर्ण कर चुकी हो तथा 60 वर्ष की आयु से कम हो। योजना अंतर्गत अपात्रता की कण्डिका 4.9 को संशोधित कर प्रतिस्थापित किए जाने की स्वीकृति दी गयी, जो है- जिनके परिवार के सदस्यों के नाम से पंजीकृत चार पहिया वाहन (ट्रैक्टर को छोड़कर) हो, वे योजना के लिये अपात्र होंगे। यहाँ पर परिवार की परिभाषा कण्डिका 2.2 के अनुसार ही मान्य होगी।

शासकीय सेवकों को देय महंगाई भत्ते की दर में वृद्धि की मंजूरी

मंत्रि-परिषद द्वारा शासकीय सेवकों को सातवें वेतनमान में देय मंहगाई भत्ता की दर में एक जनवरी, 2023 (भुगतान माह फरवरी, 2023) से 4 प्रतिशत की वृद्धि की जाकर 42 प्रतिशत करने एवं राज्य शासन के छठवें वेतनमान में कार्यरत शासकीय सेवकों तथा राज्य शासन के उपक्रमों / निगमों / मण्डलों तथा अनुदान प्राप्त संस्थाओं के राज्य शासन में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत शासकीय सेवकों के लिये चौथे एवं पाँचवें वेतनमान में अनुपातिक आधार पर मंहगाई भत्ते में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया। राज्य शासन के सातवें वेतनमान अंतर्गत कर्मचारियों को मंहगाई भत्ते की कुल बढ़ी हुई दर 42 प्रतिशत के आधार पर नगद भुगतान एक जुलाई, 2023 (भुगतान माह अगस्त, 2023) से किया जायेगा। एक जनवरी 2023 से 30 जून 2023 तक की एरियर राशि का भुगतान 3 समान किश्तों में माह अक्टूबर, नवम्बर एवं दिसम्बर, 2023 में करने के लिए निर्णय लिया गया।

नर्मदा में क्रूज चलाने की कोशिश की तो जड़ से उखाड़ देंगेः उमा भारती

भोपाल नप्र। नर्मदा नदी में क्रूज चलाने के खिलाफ उमा भारती ने ट्वीट करते हुए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि इस विचार को जड़ से ही निकाल देना चाहिए। नर्मदा को

अवैध खनन ने निगल लिया है। अब रही सही कसर क्रूज़ पूरी कर देंगे। उमा भारती ने, जिस तरह से नर्मदा में क्रूज चलाने का विरोध किया है। उसके बाद यह मामला ठंडे बस्ते में जाता हुआ दिख रहा है। उन्होंने कहा गंगा में सनातन काल से यातायात होता रहा है। लेकिन नर्मदा नदी एकमात्र धारा है, जिसकी परिक्रमा होती है। नर्मदा नदी साक्षात शिव का रूप है। जो धारा के रूप में रहते हैं। उमा भारती ने कहा कि नर्मदा मैया सतोगुणी तरीके से रोजगार देती हैं, आगे भी देती रहेंगी। उन्होंने कहा क्रूज चलाने का विचार,भाजपा के नेताओं का नहीं, अधिकारियों का जरूर हो सकता है। हम उन्हें जड़ से उखाड़ कर फेंक देंगे।

गाइत कुछ है, हाल कुछ है, लेबल कुछ है, माल कुछ है : पीएम

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी बैठक को लेकर तंज किया है। उन्होंने अवधी की एक कविता सुनाते हुए कहा कि गाइत कुछ है, हाल कुछ है, लेबल कुछ है, माल कुछ हैं। पीएम मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

विपक्षी दलों की बैठक पर मोदी का तंज, सावरकर टर्मिनल भवन के उद्घाटन पर बोले मोदी

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि आज देश की जनता ने तय कर लिया है कि हमें 2024 में वापस लाना है। इसलिए जो लोग भारत की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार हैं, उन्होंने अपनी दुकानें खोल ली हैं। उन्होंने कहा कि 24 के लिए 26 होने वाले राजनीतिक दलों पर ये कविता का पद बिल्कुल सटीक बैठता है। लेबल किसी और चीज का लगा है लेकिन प्रोडक्ट किसी और का है। इनकी दुकानों पर जातिवाद का जहर और जबरदस्त भ्रष्टाचार की गारंटी है .अब, वे बेंगलुरु में इकट्ठा हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा इनके लिए देश के गरीबों के बच्चों का विकास नहीं बल्कि अपने बच्चों और भाई-भतीजों का विकास मायने रखता है। इनकी एक ही विचारधारा और एजेंडा है - अपना परिवार बचाओ, परिवार के लिए भ्रष्टाचार बढ़ाओ।

पीएम ने कहा कि ये जो जमात इकट्ठी हुई है, उनके कुनबे में बड़े से बड़े घोटालों पर, अपराधों पर इनकी जुबान बंद हो जाती है। जब किसी एक राज्य में इनके कुशासन की पोल खुलती है, तो दूसरे राज्यों के ये लोग फौरन उसके बचाव में तर्क देने लगते हैं। कुछ दिन पहले ही पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में सरेआम हिंसा हुई, लगातार खून-खराबा हो रहा है, इस पर इन सबकी बोलती बंद है। कांग्रेस और लेफ्ट के अपने कार्यकर्ता वहां खुद को बचाने की गुहार लगा रहे हैं।

लेकिन कांग्रेस और लेफ्ट के नेताओं ने अपने स्वार्थ में वहां अपने कार्यकर्ताओं को भी मरने के लिए छोड़ दिया है।

टर्मिनल के उद्घाटन पर पीएम मोदी ने कहा कि अभी तक मौजूदा टर्मिनल की क्षमता हर रोज 4,000 पर्यटकों को सेवा देने की थी, नया टर्मिनल बनने के बाद इस हवाईअड्डे की क्षमता रोज करीब-करीब 11,000 पर्यटकों को सेवा देने की हो गई है।

भोपाल-नर्मदापुरम में तेज बारिश, जबलपुर में युवक बाइक समेत बहा

भोपाल नप्र। मध्यप्रदेश के करीब 28 जिलों में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। भोपाल में सुबह के बाद शाम को फिर तेज बारिश शुरू हो गई। नर्मदापुरम में भी दो घंटे से ज्यादा समय से तेज बारिश हो रही हैं। भोपाल में लगातार बारिश से बड़े तालाब का जलस्तर बढ़ गया है। जबलपुर में परियट नदी के पुल को पार करते समय युवक बाइक समेत बह गया। मंगलवार को उज्जैन और गुना में एक इंच पानी बरसा। सिवनी में आधा इंच पानी गिरा। छिंदवाड़ा में दूधी नदी उफनाने से ग्रामीण इलाकों में रास्ते बंद हो गए हैं। नर्मदापुरम में तवा डैम में 24 घंटे में 7 फीट पानी बढ़ा है।

बरगी बांध के गेट आज नहीं खोले जाएंगे। अब जलस्तर बढ़ने के बाद निर्णय लिया जाएगा। सोमवार को बांध नियंत्रण विभाग ने मंगलवार को बांध के पांच गेट खोले जाने का अलर्ट जारी किया था। सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि बारिश के 3 सिस्टम एक्टिव हैं। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर समेत प्रदेश के 28 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। प्रदेश में जून से अब तक औसत से 22 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। प्रदेश की अब तक की औसत बारिश 11.8 इंच है, लेकिन मंगलवार तक 13.8 इंच पानी गिर चुका है।

अब पुरुषों पर धीरेंद्र शास्त्री का विवादित बयान- काला आदमी, जिसे देखकर अमावस भी डर जाए

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कथा के दौरान कहा कि मोबाइल पर एक एप चल रहा है। उसका नाम हमने फेकबुक रखा है। यानी फेंकते रहो। काला आदमी, जिसे देखकर अमावस डर जाए, फेसबुक पर फोटो इतनी गोरी करके अपलोड करता है, जैसे अंग्रेज हो। उन्होंने कहा कि एक बार फेसबुक पर एक युवती की युवक से दोस्ती हुई। फिर बात होने लगी, जब वह युवक से मिलने गई, तो उसकी उम्र 62 साल निकली और युवती की 22 साल इसलिए हम इसे फेकबुक कहते हैं। इसका आशय यह है कि कई बार जो दिखता है, वो होता नहीं है। इसलिए गुण और कर्म देखकर ही आगे बढ़ना चाहिए।धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि हम जहां कथा शुरू करने जाते हैं। हमारे साथ 10-12 सेवादार होते हैं। बाकी सब आयोजक होते हैं। इसलिए हर सब्जेक्ट हमसे न जोड़ा जाए। हमसे मिलाने के नाम पर, हमारे साथ फोटो खिंचवाकर हमारा क़रीबी बताने वाले के चक्कर में न पड़ें।

जगह-जगह जलजमाव होने से बढ़ने लगी बीमारियां

नई दिल्ली में बाढ़ के बाद बढ़ा डेंगू का खतरा, मलेरिया के केस भी बढ़े

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली में यमुना नदी का स्तर बढ़ने के बाद कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। इसके अलावा जगह-जगह जलजमाव हो गया था। इसकी वजह से लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस बीच डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों ने दिल्ली में पैर पसारना शुरू कर दिया है। बीते एक हफ्ते में दिल्ली में डेंगू के 19 मामले सामने आए। जो कि आने वाले खतरे का संकेत दे रहे हैं। दिल्ली में अब तक डेंगू के कुल 169 केस सामने आ चुके हैं। दिल्ली में इस हफ्ते पिछले हफ्ते की तुलना में ज्यादा डेंगू के मामले सामने आए। इससे पहले हफ्ते दिल्ली में डेंगू के 11 केस दर्ज किए थे।

दिल्ली में डेंगू के अलावा मलेरिया के केसों में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। दिल्ली में बीते एक हफ्ते में मलेरिया के 8 केस सामने आए थे। उससे पहले ये आंकड़ा 5 था। इस साल की बात करें तो दिल्ली में अभी तक मलेरिया के कुल 54 केस सामने आ चुके हैं। राहत की बात यह रही है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बीते एक हफ्ते के दौरान चिकनगुनिया का एक भी केस सामने नहीं आया है। उससे पहले के हफ्ते में मात्र 1 चिकनगुनिया का केस सामने आया था। इस साल दिल्ली में

चिकनगुनिया के 14 केस रिपोर्ट दर्ज हुए हैं। दिल्ली में साल 2022 में जुलाई के महीने में डेंगू के 26 केस दर्ज हुए थे। ऐसे में इस साल जुलाई में डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी ने दिल्ली सरकार की टेंशन बढ़ा दी है। इस बीच दिल्ली में सोमवार को यमुना नदी के जलस्तर में फिर से बढ़ोतरी देखी गई। इससे पहले रविवार को दिल्ली में कई यमुना का जलस्तर घटने से दिल्ली के कई जलमग्न इलाकों नें पानी घट रहा था। अब जलस्तर के दोबारा बढ़ने से एक बार फिर से बाढ़ की आशंका जताई जा रही है। सोमवार को दोपहर 12 बजे यमुना का उच्चतम जल स्तर 205.80 मीटर दर्ज किया गया।

गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राहुल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 21 को

नई दिल्ली एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को मोदी उपनाम मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने से इनकार करने के गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ उनकी याचिका पर 21 जुलाई को सुनवाई के लिए सहमत हुआ हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग पर मामले को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अदालत मामले को इस शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गई है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने

कहा, इस शुक्रवार को सूचीबद्ध करें। 15 जुलाई को, कांग्रेस नेता ने आपराधिक मानहानि मामले में अपनी दोषसिद्धि और दो साल की जेल की सजा पर रोक लगाने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, इसके कारण कांग्रेस नेता को अपनी लोकसभा सदस्यता गंवानी पड़ी।

अब तक ढाई लाख से अधिक लोग कर चुके हैं बाबा अमरनाथ के दर्शन

श्रीनगर एजेंसी। अब तक देश में ढाई लाख से अधिक लोग बाबा अमरनाथ के दर्शन कर चुके हैं। श्राइन बोर्ड अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार अमरनाथ यात्रा के 17वें दिन 20,000 से अधिक लोगों ने यात्रा की, जबकि 6,225 यात्रियों का एक और जत्था मंगलवार को जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि इस साल की अमरनाथ यात्रा एक जुलाई को शुरू होने के बाद से अब तक 2.50 लाख से अधिक तीर्थयात्री यात्रा कर चुके हैं। बता दें कि 6,225 यात्रियों का एक और जत्था एक सुरक्षा काफिले में आज सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि इनमें से 2,511 उत्तरी कश्मीर बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं जबकि 3,714 पहलगाम बेस कैंप जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश के 15 जिलों के कलेक्टरों को भूमि सम्मान राष्ट्रपति मुर्मू ने दिल्ली में सम्मानित किया; प्रशंसा भी की

नई दिल्ली एजेंसी। मध्यप्रदेश के 15 जिलों के कलेक्टरों को भूमि सम्मान मिला है। राष्टपति द्रोपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली में सम्मानित किया। साथ ही अच्छे काम की प्रशंसा भी की। प्रदेश के जिन जिलों के कलेक्टरों को सम्मान मिला है, उनमें भोपाल, हरदा, खरगोन, अलीराजपुर, गुना, आगर-मालवा, उमरिया, नीमच, टीकमगढ़, उज्जैन, इंदौर, विदिशा, सिंगरौली, सीधी और अनूपपुर जिले शामिल हैं।

भोपाल कलेक्टर की ओर से एडीएम माया अवस्थी एवं डिप्टी कलेक्टर अंकिता त्रिपाठी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में इन जिलों के कलेक्टरों को डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम के अंतर्गत सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। देशभर के 75 जिलों के कलेक्टरों को इस कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानित किया गया। जिसमें मध्यप्रदेश के 15 जिलों के कलेक्टर शामिल हैं। इन सभी कलेक्टरों को भूमि सम्मान प्लैटिनम प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है।

भूमि रिकॉर्ड्स का शत-प्रतिशत डिजिटाइज

कलेक्टर भोपाल आशीष सिंह ने राजस्व विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को इस सम्मान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे ही गंभीरतापूर्वक कार्य करते रहे ताकि भोपाल का देश में नाम रोशन होता रहे। बता दें कि भोपाल जिले के भूमि रिकॉर्ड्स को शत-प्रतिशत डिजिटाइज किए जाने से विभागीय कार्यों में सरलता के साथ जन सामान्य को भी काफी सहूलियत हो रही है।

संपादकीय

अलगाववादी आंदोलन और कूटनीतिक चुनौतियां

लोकतंत्र और बहुलवाद की भारत की साझी विरासत के प्रति कनाडा अपना समर्थन जताता रहा है। समावेशी विचार और लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले भारत में खालिस्तान आंदोलन की कोई संभावना नहीं है। मगर कट्टरता, धार्मिक प्रदर्शन, सर्वोच्च धार्मिक संस्थाओं के क्रियाकलापों को नियंत्रित करने और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों द्वारा अलगाववादी ताकतों को संरक्षण न मिले, इसे लेकर सजग रहने की जरूरत अवश्य है। खालिस्तान समर्थक विदेश में भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत को कूटनीतिक स्तर पर कड़े कदम उठाने की जरूरत है। खालिस्तान आंदोलन की संभावनाएं करीब ढाई दशक पहले ही खत्म हो गई थीं, लेकिन भारत से बाहर इसे जिंदा रखने की धार्मिक और राजनीतिक कोशिशें जारी रही हैं। हाल के महीनों में खालिस्तान से जुड़े कट्टर अलगाववादियों और भारत के ह्यमोस्ट वांटेडह्न आतंकियों में से कुछ की मौत हुई है, इसे लेकर खालिस्तान समर्थक भारत पर आरोप लगा रहे हैं। दुनिया भर में भारत के खिलाफ प्रदर्शन और भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा की अपील भी कर रहे हैं। कनाडा खालिस्तानी समर्थकों का गढ़ माना जाता है, वहीं ब्रिटेन, अमेरिका और आस्ट्रेलिया में भी खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय दूतावास के बाहर प्रदर्शन किया है। लंदन में खालिस्तानी समर्थकों के हाथों में पाकिस्तान और कश्मीर के समर्थन वाले पोस्टर देखे गए। इसी साल मार्च में ब्रिटेन की राजधानी लंदन में खालिस्तान समर्थकों की उग्र भीड़ ने भारतीय उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया था। इस दौरान एक व्यक्ति ने भारतीय उच्चायोग पर लगे तिरंगे को उतार दिया था। वहीं आस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन शहर में भारतीय दूतावास को खालिस्तान समर्थकों के डर से बंद करना पड़ा था। विदेशों में दूतावास की सुरक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर विएना समझौते को माना जाता है। वैश्विक स्तर पर यह राजनयिक संबंधों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय संधि है। यह संधि राजनयिकों को मेजबान देश में बिना किसी जबर्दस्ती, उत्पीड़न या डर के काम करने में सक्षम बनाती है। कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया जैसे देश भी इस संधि से बंधे हैं। भारत से इन देशों के साझा आर्थिक और रणनीतिक हित हैं। इन सबके बाद भी इन देशों में भारत-विरोधी गतिविधियों से कूटनीतिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। कनाडा में भारतीय मूल के करीब दस लाख लोग रहते हैं, जिसमें पंजाबियों को अच्छी-खासी तादाद है, जो आर्थिक और राजनीतिक तौर पर बेहद सक्षम माने जाते हैं। इसका प्रभाव कनाडा के राजनीतिक हितों पर भी देखा गया है। कुछ कनाडाई सिख प्रवासी भारतीय आंदोलन के समर्थन के लिए कट्टरपंथियों को उकसाते हैं। बैसाखी और खालसा दिवस पर कनाडा के राजनेता भी खालिस्तान को समर्थन देते देखे गए हैं। इसके चलते भारत और कनाडा के संबंधों में ठहराव देखा गया है। भारत ने 2022 में कनाडा द्वारा खालिस्तानी अलगाववादी जनमत संग्रह की अनुमति देने पर आपत्ति जताई थी, साथ ही कनाडा में घृणा अपराधों के खिलाफ चेतावनी के साथ आगाह किया था। लोकतंत्र और बहुलवाद की भारत की साझी विरासत के प्रति कनाडा अपना समर्थन जताता रहा है। भारत कनाडा का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश है। कनाडा के पास यूरेनियम, प्राकृतिक गैस, तेल, कोयला, खनिज और जल विद्युत, खनन, नवीकरणीय ऊर्जा तथा परमाणु ऊर्जा में उन्नत प्रौद्योगिकियों के दुनिया के सबसे बड़े संसाधन हैं।

भारतीय वेद और विश्व शांति की प्रार्थना

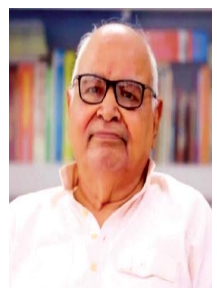

लेखक
हृदयनारायण दीक्षित

> वैदिक काल की सबसे छोटी, सुसंगठित और प्रीतिपूर्ण इकाई परिवार है। गण कई परिवारों से मिलकर बने समूह हैं। गण महत्वपूर्ण है। सभी गणों में परस्पर सम्बंध थे। राष्ट्रगान में जन के साथ गण हैं। गण नाम के इस छोटे से समूह नेता गणपति कहा जाता था। जैसे गण का नेता गणपति होता था वैसे ही गण का आराध्य देवता गणेश। गणेश गण और ईश से मिलकर बना शब्द है। बृहस्पति के लिए ऋग्वेद में स्तुति है - गणानां त्वा गणपतिं - आप विद्वान हैं। गणपति हैं। गण परस्पर प्रीति और प्यार में साधनारत एक सामूहिक इकाई थी। वैदिक इतिहास में अनेक गण हैं। देवताओं के समूह भी गण हैं।

भारत अव्याख्येय है। राष्ट्र रूप में भारत की व्याख्या कठिन है। यह सामान्य राष्ट्र राज्य नहीं है। भूमि का साधारण खण्ड नहीं है। सामान्य इतिहास या भूगोल नहीं है। इस धरती के लोग सदियों से व्यक्तिगत हित की तुलना में विश्व लोकमंगल की आराधना में संलग्न रहे हैं। भारत की अनुभूति संसार में अद्वितीय है। यह एक प्रेमपूर्ण गीत है। हम सब के अंतस का छंदस है भारत। भारत और भारतीय संस्कृति विश्व के विद्वानों के लिए शोध का विषय रहे हैं। ऋग्वेद में एक सुंदर मंत्र में भारत बोध की झांकी है, 'हे सोम देव जहां सदा नीरा नदियां बहती हैं। प्रचुर अन्न होता है। कृषि धन धान्य देती है। जहां मुद, मोद, प्रमोद विस्तृत हैं। हम उसी भूखंड में आनंदित रहना चाहते हैं।' संविधान की उद्देशिका 'हम भारत के लोग' वाक्य से प्रारम्भ होती है। उद्देशिका के 4 शब्द महत्वपूर्ण है। हम भारत के लोगों की राष्ट्रीय संरचना का आधार जाति, पंथ, मत, मजहब नहीं है। ऐसा होता तो संविधान निमार्ता उद्देशिका में दर्ज करते कि, 'हम भारत के अगड़े, पिछड़े जाति और पंथ से जुड़े लोग संविधान बनाते हैं।' वैदिक काल की सबसे छोटी, सुसंगठित और प्रीतिपूर्ण इकाई परिवार है। गण कई परिवारों से मिलकर बने समूह हैं। गण महत्वपूर्ण है। सभी गणों में परस्पर सम्बंध थे। राष्ट्रगान में जन के साथ गण हैं। गण नाम के इस छोटे से समूह नेता गणपति कहा जाता था। जैसे गण का नेता गणपति होता था वैसे ही गण का आराध्य देवता गणेश। गणेश गण और ईश से मिलकर बना शब्द है। बृहस्पति के लिए ऋग्वेद में स्तुति है - गणानां त्वा गणपतिं - आप विद्वान हैं। गणपति हैं। गण परस्पर प्रीति और प्यार में साधनारत एक सामूहिक इकाई थी। वैदिक इतिहास में अनेक गण हैं। देवताओं के समूह भी गण हैं। जैसे मरुदगण, रूद्रगण आदि। सांस्कृतिक व आर्थिक कारणों से गण टूट कर जन नाम की बड़ी इकाई में बदल गए। तब अनेक जन थे। लेकिन पांच जनों की चर्चा ज्यादा है। ये पंचजन अनु, द्रुह्यु , यदु, तुर्वश और पुरु थे। सरस्वती वैदिक काल की प्रसिद्ध नदी हैं। उनसे स्तुति है कि आप पांच जनों को समृद्धि देती हैं। जन गण से बड़े जनसमूह थे। इनका उल्लेख वैदिक साहित्य में विद्यमान है। भारतीय संस्कृति उदात्त और विश्ववरेण्य है। इस संस्कृति के प्रति दुनिया के तमाम देशों का आदर भाव रहा है और आज भी है। वैदिक ऋषियों का संकल्प ध्यान देने योग्य है। कहते हैं, 'कृण्वंतों विश्वं आर्यं - हम विश्व को आर्य बनाना चाहते हैं। हम किसी भी राष्ट्र राज्य पर आक्रमण के इच्छुक नहीं हैं।' भारतीय इतिहास में किसी दूसरे देश को जीतने की इच्छा नहीं मिलती। हाल ही में विश्व मुस्लिम लीग के प्रमुख मोहम्मद बिन अब्दुल करीम अल ईसा भारत आए थे। इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में अल ईसा ने भारत के ज्ञान और संविधान की प्रशंसा की है। विश्व मुस्लिम लीग दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम संगठनों में गिना जाता है। इसके प्रमुख अल ईसा ने भारत को शांतिपूर्ण सहअस्तित्व का सुंदर उदाहरण बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अल ईसा से भारत और सऊदी अरब के बीच साझेदारी को गहरा करने पर विचारों के आदान प्रदान की बातें कीं। उन्होंने अल ईसा के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि हमने अंतरधार्मिक वार्ता को आगे बढ़ाने, चरमपंथी विचारधाराओं का मुकाबला करने व वैश्विक शांति को बढ़ावा देने पर बातचीत की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति की चर्चा होती है। होनी भी चाहिए। तमाम कारणों से विश्व तनाव में है। इसका एक कारण मजहबी कट्टरपंथ भी है। पंथिक मजहबी समूहों का सहअस्तित्व बड़ा कठिन होता है। गांधी जी स्वाधीनता के पहले से ही हिन्दू-मुस्लिम भाईचारा स्थापित करने के लिए सक्रिय थे। बहुसंख्यक समाज के सामने सहअस्तित्व को लेकर कोई कठिनाई नहीं थी। लेकिन कट्टरपंथी मजहबी तत्वों को सहअस्तित्व की यह धारणा अच्छी नहीं लगी। गांधी जी ने स्वीकार किया कि हिन्दू-मुस्लिम एकता व सहअस्तित्व के प्रश्न पर उन्होंने हार मान ली है। अल ईसा ने सारी दुनिया से अपील की कि शांति के सम्बंध में भारत से सीखना चाहिए। उनका वक्तव्य आदर योग्य है। भारतीय ज्ञान ने दुनिया को प्रभावित किया है। विश्व शांति और लोकमंगल भारतीय राष्ट्र राज्य के ध्येय रहे हैं। भारतीय समाज में गजब की विविधता है। अनेक जातियां हैं। अनेक विश्वास हैं। विविधता स्वाभाविक है। लेकिन तमाम विविधताओं के बावजूद भारत में सभी विचारधाराओं और विश्वासों का सहअस्तित्व रहा है। सभी विचारधाराओं के बीच संवाद रहा है। आज भी है। भारतीय समाज के चिंतकों, विद्वानों और वैदिक काल के ऋषियों ने शांति की उपासना की है। ऋग्वेद में विश्व शांति की प्रार्थना है और यह भारतवासियों की शांति की प्यास को सुंदर अभिव्यक्ति देती है। शांति मंत्र में कहते हैं, 'अंतरिक्ष शांत हों। पृथ्वी शांत हों। आकाश शांत हों। शांति भी शांत हों।' यहां केवल मनुष्यों के बीच परस्पर सद्भाव वाली शांति की ही बात नहीं है। यहां पृथ्वी से लेकर आकाश तक शांति स्थापित होने की प्रार्थना है। शांति अशांति की अनुपस्थिति नहीं है। शांति मौलिक रूप में मानव मन की प्राकृतिक प्यास है।

अशांत चित्त से सृजन संभव नहीं होते। अशांत चित्त विध्वंसक होता है और शांत चित्त सर्जक। अल ईसा ने संवाद शांति और भाईचारा के लिए भारत की प्रशंसा उचित ही की है। जन गण का सामूहिक मन स्वाभाविक होता है। वह सामूहिक होकर ही समाज को आनंद देता है। मन चंचल होता है। मन की गलती को मनमानी कहते हैं। वैदिक पूर्वज मन की चंचलता को लेकर सजग थे। यजुर्वेद में मन को प्रशांत और लोक कल्याण से जोड़ने सम्बंधी 6 मंत्र एक साथ आए हैं। इसे शिव संकल्प सूक्त कहते हैं। ऋषि कहते हैं, 'हमारा मन कभी पर्वत की ओर कभी आकाश की ओर जाता है। कभी इस नगर में कभी उस नगर में जाता है। हे देवताओं उस मन को शिव संकल्प से भर दो।' शिव संकल्प वस्तुतः मन को लोक कल्याण की भावना से भरने का नाम है।

सम्प्रति दुनिया के तमाम देशों की सीमाएं रक्तरंजित हैं। यूक्रेन और रूस के मध्य जारी युद्ध से धरती-आकाश तनावग्रस्त हैं। आतंकवादी मजहब के नाम पर लोगों को मार रहे हैं। बच्चे और महिलाएं भी मारी जा रही हैं। कहते हैं, 'हमारा बेचैन मन कभी यहां कभी वहां हमको विषाद की दशा में ले जाता है। हे देवताओं हमारा मन शिव संकल्प से भरो - तन्मे मनः शिव संकल्प मस्तु।' पूर्वजों ने सारी दुनिया को आनंदित करने के लिए लगातार चिंतन किया था। ऋग्वेद का अंतिम सूक्त ध्यान देने योग्य है। अग्नि से प्रार्थना है कि, 'हमारे मन संकल्प एक ध्येय हों। मन समान हों। सभा और समितियां भी समान हों। सब लोग साथ साथ चलें। साथ साथ प्रेमपूर्ण वार्ता करें। सबके चित्त एक समान हों। सबका समान मन चित्त समान हो। हम लोकमंगल के लिए काम करें।' अंत में कहते हैं, 'सं वो मनासि जानतां।

स्मार्ट शहरों से पहले दिल्ली स्मार्ट हो पाती

लेखक
-ऋतुपर्ण दवे

> सरसरी तौर पर योजना को देखने के बाद थोड़ी गुदगुदी तो होती है कि बस थोड़ा से इंताजर के बाद मेरा शहर भी सपनों का सुन्दर शहर होगा। लेकिन योजना को लागू हुए 9 बरस हो चुके हैं। सपने और हकीकत का अन्तर भी साफ झलकने लगा है। हाल की बारिश ने जिस तरह से बड़े से बड़े शहरों की पोल खोलकर रख दी है उससे तो यही लगता है कि इन्फ्रा स्ट्रक्चर के मामले में हमारी बुनियाद ही बहुत कमजोर है। केवल दिल्ली को ही एक आदर्श के रूप में रखें तो भी डर लगता है। राष्ट्रीय राजधानी का जो मंजर बीते सप्ताह बल्कि पखवाड़े में दिखा तो उसने हर किसी को डरा कर रख दिया। 41 वर्षों में महज 24 घण्टों में ही 200 मिलीमीटर बारिश का नया रिकॉर्ड तो बना लेकिन अव्यवस्थाओं की इतनी सारी पोल खुली जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी के मुख्य स्थानों इण्डिया गेट के आसपास की सड़कोंके मंजर से रूह कांप गई। जगह-जगह जलभारव की वो स्थिति बनी कि न जाने कितने लोग इससे जूझे और कितने घायल हुए इसका सही आंकड़ा तक नहीं है।बड़ी-बड़ी घटनाओं की तस्वीरों ने ही इतना कुछ दिखा दिया कि छोटी-मोटी पर भला कौन ध्यान देगा।

देशवासियों ने एक सपना देखा था, बल्कि कहें कि दिखाया गया था। एक स्मार्ट सिटी होगी उसमें सब कुछ स्मार्ट होगा। बहुत बड़ी कार्य योजना प्रस्तुत की गई। वो खाका खींचा गया कि लगने लगा वाकई हम दुनिया में वो मिशाल पेश करेंगे जो सबके लिए नजीर बनेगी। 25 जून 2015 को केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की स्मार्ट सिटीज मिशन की पहल की शुरूआत प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी।यह 100 शहरों के बुनियादी ढांचों में सुधारऔर आर्थिक विकास को बढ़ावा देनी की मुहिम थी।

स्मार्ट शहरों पर सूचना एवं डिजिटल टेक्नालॉजी की सार्वजनिक व निजी भागीदारी के जरिए शहरों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से टिकाऊ और समावेशी विकास पर फोकस किया गया। मिशन को ऐसा उदाहरण बनाने का लक्ष्य भी रखा गया कि ऐसी सिटी के अन्दर और बाहर की व्यवस्थाओं काअनुसरण हो ताकि नागरिकों की सबसे अहम जरूरतों एवं जीवन में सुधार करने के लिए बड़े से बड़े अवसरों को सृजित किया जा सके। मिशन के लिए 7,20, 0000 करोड़ रुपये की फंडिंग भी की गई। इसमें कृत्रिम बुद्धि के तहतआईसीटी का परिचय,आईटी कनेक्टिविटी, डिजिटलीकरण तो ई-गवर्नेंस के तहत ई-पंचायत, ई-चौपाल इसी तरह बुनियादी ढांचे के तहत अच्छे और साफ पानी की आपूर्ति, सभी के लिए बिजली, उचित स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, शहरी गतिशीलता, पर्याप्त सार्वजनिक परिवहन, आवास जैसी किफायती जीवन स्थितियां और सतत पर्यावरण जैसे जरूरी विषयों को शामिल किया गया। सरसरी तौर पर योजना को देखने के बाद थोड़ी गुदगुदी तो होती है कि बस थोड़ा से इंताजर के बाद मेरा शहर भी सपनों का सुन्दर शहर होगा। लेकिन योजना को लागू हुए 9 बरस हो चुके हैं। सपने और हकीकत का अन्तर भी साफ झलकने लगा है। हाल की बारिश ने जिस तरह से बड़े से बड़े शहरों की पोल खोलकर रख दी है उससे तो यही लगता है कि इन्फ्रा स्ट्रक्चर के मामले में हमारी बुनियाद ही बहुत कमजोर है। केवल दिल्ली को ही एक आदर्श के रूप में रखें तो भी डर लगता है। राष्ट्रीय राजधानी का जो मंजर बीते सप्ताह बल्कि पखवाड़े में दिखा तो उसने हर किसी को डरा कर रख दिया। 41 वर्षों में महज 24 घण्टों में ही 200 मिलीमीटर बारिश का नया रिकॉर्ड तो बना लेकिन अव्यवस्थाओं की इतनी सारी पोल खुली जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी के मुख्य स्थानों इण्डिया गेट के आसपास की सड़कोंके मंजर से रूह कांप गई। जगह-जगह जलभारव की वो स्थिति बनी कि न जाने कितने लोग इससे जूझे और कितने घायल हुए इसका सही आंकड़ा तक नहीं है।बड़ी-बड़ी घटनाओं की तस्वीरों ने ही इतना कुछ दिखा दिया कि छोटी-मोटी पर भला कौन ध्यान देगा। कमोवेश यही स्थिति दिल्ली से सटे दूसरे महानगरों गाजियाबाद, नोएडा, गुड़गांव,फरीदाबाद की भी रही। दूसरे छोटे-मोटे शहरों खासकर पहाड़ी इलाकों के हालात तो बेकाबू और बेहद दर्दनाक दिखे।यदि दिल्ली की बात करें तो मानसून से पहले करोड़ों रुपये खर्च कर नालों की सफाई पर 10 करोड़ रुपए खर्च हुए। जलभराव से बचाने के खासे इंतजाम के दावे हुए जो 9-10 जुलाई की ही बारिश में धराशायी हो गए। हालात बद से बदतर हो गए। जब पूरे देश में स्मार्ट सिटी को लेकर दावों-प्रतिदावों का दौर चल रहा हो ऐसे में यदि देश की राजधानी में ही संसाधनों की जबरदस्त कमीं दिखे और जिम्मेदार राजनीतिक बयान दें तो फिर दूसरों को उदाहरण बनाना बेमानी सा लगता है। विचारणनीय यह भी है कि अकेले दिल्ली नगर निगम में 20159 नाले रिकॉर्ड में हैं। इनमें 721 ऐसे नाले भी हैं जिनकी गहराई 4 फीट तक है। बड़े नालों की सफाई ठेके पर होती है जबकि बांकी की खुद निगम करवाता है। हालिया सफाई में सात हजार मीट्रिक टन भी गाद हटाई गई उसके बावजूद पहली ही बारिश में नालों के उफान और दिख रही गाद आसानी से देखी जा सकती है। हाल ही में भारी बारिश के बाद दिल्ली का दिल इंडिया गेट के पास धंसी सड़क और थमते यातायात को भी देखा। पुरानी दिल्ली-गुरुग्राम रोड पर महज एक बस के खराब हो जाने से समलखा से कापसहेड़ा मे हुए ट्रैफिक जाम और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की इस रास्ते से नहीं जाने की हिदायत उदाहरण हैं।सवाल यह है कि ऐसा कब तक चलेगा? चिन्ता इसलिए भी है कि जहां वर्ष 2011 की जनगणना में दिल्ली की आबादी 1916,787,941 थी जो अब अनुमानतः 19,301,096 पार कर चुकी होगी ऐसे में मौजूदा व्यवस्थाएं और संसाधन कितने पर्याप्त हैं? निश्चित रूप से दिल्ली के मास्टर प्लान को लेकर भी लोगों के दिमाग में सवालों की बौछारें होंगी, लेकिन जवाब कौन देगा? देश की राजधानी दिल्ली का नाम लेते ही मस्तिष्क में एक स्मार्ट तस्वीर बनती है लेकिन जिस वास्तविकता से लोग रू-ब-रू होते हैं तो अलग ही सच्चाई मुंह कड़वा कर देती है। ऐसे में स्मार्ट सिटी योजना को लेकर देखा गया सपना कितना साकार होता है इस पर लोगों के मन में तरह-तरह के विचार स्वाभाविक हैं। 100 स्मार्ट शहरों की सूची देखें जिनमें पोर्टब्लेयर, विशाखापत्तनम, तिरुपति, काकीनाडा, अमरावती, पासीघाट, गुवाहाटी, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, बिहारशरीफ, पटना, चंडीगढ़, रायपुर, बिलासपुर, नया रायपुर, दीव दादरा और नगर हवेली, सिल्वासा, नई दिल्ली नगर परिषद,पणजी, गांधीनगर, अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा,राजकोट, दाहोद, करनाल, फरीदाबाद, धर्मशाला, शिमला, श्रीनगर, जम्मू, रांची, मंगलुरु, बेलगावी, शिवमोगा, हुबली धारवाड़, तुमकुरु, दावणगेरे, बेंगलुरु, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, कवरत्ती, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, सतना, उज्जैन,नासिक, थाइन, ग्रेटर मुंबई, अमरावती, सोलापुर, नागपुर, कल्याण-डोम्बीवली, औरंगाबाद, पुणे, पिंपरी चिंचवाड़, इंफाल, शिलांग, आइजोल, कोहिमा, भुवनेश्वर, राउरकेला, औल्गरेट, लुधियाना, जालंधर,अमृतसर, जयपुर, उदयपुर,कोटा, अजमेर, नामचि, गंगटोक, तिरुचिरापल्ली, तिरुनेलवेली, डिंडीगुल, तंजावुरी, तिरुपूर, सलेम, वेल्लोर, कोयंबटूर, मदुरै, खत्म, तूतुकुड़ी, चेन्नई, ग्रेटर हैदराबाद, ग्रेटर वारंगल, करीमनगर, अगरतला,मुरादाबाद, अलीगढ़, सहारनपुर, बरेली, झांसी, कानपुर, प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गाज़ियाबाद, आगरा, रामपुर, देहरादून शामिल हैं। निश्चित रूप से कइयों ने आधे से ज्यादा शहर बल्कि कहें कि भावी स्मार्ट शहर को हाल-फिलाहाल में जरूर देखा होगा ये कितने स्मार्ट हुए इसका आंकलन उन्हीं पर ही छोड़ना बेहतर होगा।

भारत में सुधारों की रफ्तार से 'लॉजिस्टिक्स' गुलजार

लेखक
सुमिता डावरा

> विश्व बैंक की यह रिपोर्ट भारत को एक ऐसे देश के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसने नेशनल लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीबीएसएल) जैसे डिजिटलीकृत प्लेटफॉर्म के उपयोग के जरिए आपूर्ति शृंखला में दृश्यता ला दी है। यह रिपोर्ट बताती है कि लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (एलडीबी) कैसे आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) टैग के उपयोग के जरिए भारत में एक्जिम कंटेनरों की आवाजाही की निगरानी करता है और उसके बारे में सटीक जानकारी रखता है, जिससे माल पाने वाले (कान्साइनी) के लिए अपनी आपूर्ति शृंखला की ह्यएक छोर से दूसरे छोर तक निगरानीह्न (ऐंड-टू-एंड ट्रैकिंग) करना संभव हो जाता है। शुरू में माल की स्थिति का पता लगाने वाले (कार्गो ट्रेसिंग) इस प्रकार के तंत्र का शुभारंभ 2016 में देश के पश्चिमी तट पर किया गया था और आज इस तंत्र के दायरे में सभी प्रमुख बंदरगाह और निजी बंदरगाह आते हैं। भारतीय बंदरगाहों पर कंटेनरों के बेहतर ठहराव समय के लिए इसे श्रेय दिया जाता है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के संदर्भ में कहें तो ह्नमाल की निगरानी (कार्गो ट्रैकिंग) व्यवस्था की शुरूआत के साथ, देश के पूर्वी तट पर स्थित विशाखापत्तनम बंदरगाह पर कंटेनरों के ठहराव का समय 2015 में 32.4 दिन से घटकर 2019 में 5.3 दिन रह गया।

भारत आज विकास की ऊंची उड़ान भरने को तैयार है। वैश्विक स्तर पर सभी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत की लॉजिस्टिक्स संबंधी रेटिंग बेहतर होते जाने के साथ-साथ लॉजिस्टिक्स से जुड़ी इसकी बाधाएं दूर होती जा रही हैं। मैन्यूफैक्चरिंग और व्यापार के क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति बुनियादी ढांचे और निर्यात-आयात (एक्जिम) संबंधी लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने से संबंधित सुधारों के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। बुनियादी ढांचे को अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण विकास इंजन के रूप में पहचानते हुए, प्रधानमंत्री की गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति जैसे सुधारों ने सामानों एवं यात्रियों की आवाजाही के लिए लॉजिस्टिक्स से जुड़े बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स संबंधी सेवाओं में सुधार पर ध्यान केन्द्रित किया है। और बहुत ही कम समय में, इन सुधारों के परिणाम दिखाई देने लगे हैं।

विश्व बैंक ने लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स (एलपीआई) से संबंधित 2023 की अपनी रिपोर्ट में लॉजिस्टिक्स से जुड़ी उन्नत दक्षता की दिशा में भारत द्वारा की गई प्रगति को स्वीकार किया है। विश्व बैंक की यह रिपोर्ट 139 देशों के एलपीआई के बारे में जानकारी साझा करती है और भारत को इस सूचकांक में 38वें स्थान पर रखती है, जोकि 2018 में हमारी रैंक की तुलना में छह स्थान ऊपर है। एलपीआई छह व्यापक मापदंडों पर आधारित ह्यगुणात्मक धारणाओं का एक सर्वेक्षण-आधारित प्रमाणीकरणह्न है, जो सीमा शुल्क, बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय लदान (शिपमेंट), लॉजिस्टिक्स संबंधी क्षमता एवं लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता, निगरानी एवं जानकारी जैसे पहलुओं पर विचार करता है।

विश्व बैंक एक ऐसी उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में भारत का उदाहरण देता है, जिसने 2015 से देश के पूर्वी एवं पश्चिमी दोनों तटों पर स्थित बंदरगाहों को सुदूर इलाकों में स्थित आर्थिक केन्द्रों से जोड़ते हुए बुनियादी ढांचे एवं विभिन्न प्रौद्योगिकियों में निवेश किया है। अन्य

कारकों के अलावा, इस तरह के निवेश के कारण ही बंदरगाहों पर कंटेनरों के ठहराव के समय के मामले में भारत का प्रदर्शन कई विकसित देशों की तुलना में कहीं बेहतर है। मई से लेकर अक्टूबर 2022 के बीच, भारत में कंटेनरों के ठहराव का समय न्यूनतम 3 दिन था, जबकि संयुक्त अरब अमीरात एवं दक्षिण अफ्रीका के मामले में यह समय चार दिन, अमेरिका के मामले में सात दिन और जर्मनी के मामले में 10 दिन था।

विश्व बैंक की यह रिपोर्ट भारत को एक ऐसे देश के रूप में प्रस्तुत करती है, जिसने नेशनल लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीबीएसएल) जैसे डिजिटलीकृत प्लेटफॉर्म के उपयोग के जरिए आपूर्ति शृंखला में दृश्यता ला दी है। यह रिपोर्ट बताती है कि लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक (एलडीबी) कैसे आरएफआईडी (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) टैग के उपयोग के जरिए भारत में एक्जिम कंटेनरों की आवाजाही की निगरानी करता है और उसके बारे में सटीक जानकारी रखता है, जिससे माल पाने वाले (कान्साइनी) के लिए अपनी आपूर्ति शृंखला की ह्यएक छोर से दूसरे छोर तक निगरानीह्न (ऐंड-टू-एंड ट्रैकिंग) करना संभव हो जाता है। शुरू में माल की स्थिति का पता लगाने वाले (कार्गो ट्रेसिंग) इस प्रकार के तंत्र का शुभारंभ 2016 में देश के पश्चिमी तट पर किया गया था और आज इस तंत्र के दायरे में सभी प्रमुख बंदरगाह और निजी बंदरगाह आते हैं। भारतीय बंदरगाहों पर कंटेनरों के बेहतर ठहराव समय के लिए इसे श्रेय दिया जाता है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के संदर्भ में कहें तो ह्नमाल की निगरानी (कार्गो ट्रैकिंग) व्यवस्था की शुरूआत के साथ, देश के पूर्वी तट पर स्थित विशाखापत्तनम बंदरगाह पर कंटेनरों के ठहराव का समय 2015 में 32.4 दिन से घटकर 2019 में 5.3 दिन रह गया।ह्व

देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, भारत सरकार ने आपूर्ति शृंखला पर निगरानी रखने के लिए एक डिजिटल प्रणाली के रूप में लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक प्रोजेक्ट (एलडीबी) का शुभारंभ किया था। एनएलडीबीएसएल को राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) और निप्पॉन इलेक्ट्रिक कंपनी (एनईसी) लिमिटेड नाम की जापानी कंपनी के बीच एक एसपीवी (विशेष प्रयोजन वाहन) के रूप में संचालित किया जाता है। एलडीबी, एक्जिम कंटेनर की आवाजाही के बारे में वास्तविक समय में विस्तृत जानकारी प्रदान करने हेतु आपूर्ति शृंखला में कार्यरत विभिन्न एजेंसियों के पास उपलब्ध डिजिटल जानकारी को एकत्रित व व्यवस्थित करता है। यह प्लेटफॉर्म भारत के एक्जिम कंटेनर की शत-प्रतिशत मात्रा को संभालता है। इस पर एक मोबाइल ऐप के साथ-साथ एक पोर्टल के जरिए माल पाने वालों (कान्साइनी) के लिए जानकारी पाने की सुविधा उपलब्ध है।

डॉक्टर अशोक शास्त्री ज्योतिषाचार्य के अनुसार श्रावण मास में 19 साल बात बना यह संयोग

फतवा समाचार ◈ धार

मालवा के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डॉ. अशोक शास्त्री ने एक विशेष भेंट में बताया कि ज्योतिष गणना के अनुसार, श्रावण अधिक आखिरी बार साल 2004 में लगा था। श्रावण अधिक आखिरी बार साल 2004 में लगा था और अब यह संयोग पूरे 19 साल बाद बनने जा रहा है। इस वर्ष अधिक मास लगेगा, जो लगभग हर तीन वर्ष बाद आता है। ऐसे में हिंदू कैलेंडर 12 की जगह 13 महीने का हो जाएगा। अधिक मास 18 जुलाई से प्रारंभ होगा और 16 अगस्त 2023 तक रहेगा। चूंकि ये महीना श्रावण मास के साथ लगेगा, इसलिए इसे श्रावण अधिक कहा जाएगा। ज्योतिष गणना के अनुसार श्रावण अधिक आखिरी बार साल 2004 में लगा था और अब यह संयोग पूरे 19 साल बाद बनने जा रहा है। डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया कि इस वर्ष 5 महीने का चातुर्मास रहेगा । हिंदू धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व बताया गया है । चातुर्मास में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में आ जाता है । चातुर्मास में श्रावण, भादौ, आश्विन और कार्तिक मास आते हैं । इस बार चातुर्मास पांच महीने का होगा । श्रावण, भादौ, आश्विन और कार्तिक मास के साथ अधिक मास भी जुड़ जाएगा । 2023 से पहले श्रावण अधिक का संयोग 1947, 1966, 1985 और 2004 में बना था। डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया कि अधिकमास का विशेष महत्व है। वशिष्ठ सिद्धांत के अनुसार भारतीय हिंदू कैलेंडर सूर्य और चंद्र की गणना पर आधारित है। अधिकमास चंद्र वर्ष का एक अतिरिक्त भाग है, जो हर 32 माह, 16 दिन और 8 घड़ी के अंतर से आता है। इसका प्राकट्य सूर्य और चंद्र वर्ष के बीच अंतर का संतुलन बनाने के लिए होता है।

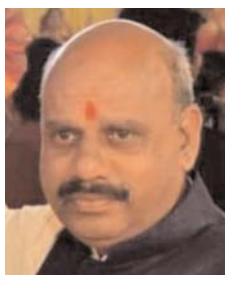

सूर्य और चंद्र वर्ष में 11 दिनों का अंतर होने से हर तीन वर्ष में पुरुषोत्तम मास होता है। जिसे अधिकमास और मलमास के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस मास में पूजा पाठ का 10 गुना अधिक फल मिलता है। इस साल यह 18 जुलाई से 16 अगस्त तक होगा। ज्योतिषाचार्य डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया कि अधिकमास का विशेष महत्व है। वशिष्ठ सिद्धांत के अनुसार भारतीय हिंदू कैलेंडर सूर्य और चंद्र की गणना पर आधारित है। अधिकमास चंद्र वर्ष का एक अतिरिक्त भाग है, जो हर 32 माह, 16 दिन और 8 घड़ी के अंतर से आता है। इसका प्राकट्य सूर्य और चंद्र वर्ष के बीच अंतर का संतुलन बनाने के लिए होता है। सूर्य और चंद्र वर्ष में 11 दिनों का अंतर होने से हर तीन वर्ष में पुरुषोत्तम मास होता है। जिसे अधिकमास और मलमास के नाम से भी जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस मास में पूजा पाठ का 10 गुना अधिक फल मिलता है। इस साल यह 18 जुलाई से 16 अगस्त तक होगा। ज्योतिषाचार्य डॉ. अशोक शास्त्री ने बताया कि अधिकमास का विशेष महत्व है। वशिष्ठ सिद्धांत के अनुसार भारतीय हिंदू कैलेंडर सूर्य और चंद्र की गणना पर आधारित है। अधिकमास चंद्र वर्ष का एक अतिरिक्त भाग है, जो हर 32 माह, 16 दिन और 8 घड़ी के अंतर से आता है। इसका प्राकट्य सूर्य और चंद्र वर्ष के बीच अंतर का संतुलन बनाने के लिए होता है। प्रत्येक सूर्य वर्ष 365 दिन और करीब 6 घंटे का होता है। चंद्र वर्ष 354 दिनों का माना जाता है। दोनों वर्षों के बीच लगभग 11 दिनों का अंतर होता है, जो हर तीन वर्ष में लगभग एक मास के बराबर हो जाता है। इसी अंतर को पाटने के लिए हर तीन साल में एक चंद्र मास आता है। जिसे अतिरिक्त होने के कारण अधिकमास का कहा जाता है।

इसलिए इस माह में पूजा, पाठ, व्रत, उपवास, जप आदि धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन होता है, लेकिन हिंदू धर्म के विशिष्ट व्यक्तिगत संस्कार जैसे नामकरण, यज्ञोपवीत, विवाह, गृह प्रवेश, नई बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी नहीं होती है।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ कर्तव्यनिष्ठ सिपाही राजाराम वास्कले का अंतिम संस्कार

○ पुलिस ने सलामी किया अंतिम जाबांज योद्धा को विदा

○ केबिनेट मंत्री, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने दिया पार्थिव देह को कंधा

दिलीप शुक्ला ◈ बड़वानी

जिले के ग्राम कोयड़िया निवासी एवं नेमावर थाना प्रभारी श्री राजाराम वास्कले का अंतिम सरकार प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के निदेशानुसार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। इस दौरान पुलिस जवानो द्वारा उन्हे सलामी देकर अंतिम जाबांज योद्धा को नमन किया गया। उनके गृह ग्राम कोयड़िया से जब अंतिम यात्रा निकली तो बहुत बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामीणजन कर्तव्यनिष्ठ सिपाही एवं कर्तव्य को पूर्ण करते समय अपनी जान गंवाने वाले योद्धा को विदाई देने आये। इस दौरान सभी लोग भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के नारे लगाते हुए ग्राम लोहारा घाट के मुक्तिधाम तक पहुंचे।

केबिनेट मंत्री एवं कलेक्टर ने दिया पार्थिव देह को कंधा : प्रदेश सरकार के जाबांज सिपाही श्री राजराम वास्कले की अंतिम यात्रा के दौरान प्रदेश के केबिनेट मंत्री श्री प्रेमसिंह पटेल, पूर्व गृह मंत्री एवं राजपुर विधायक श्री बाला बच्चन, कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग, पुलिस अधीक्षक श्री पुनित गेहलोद एवं राजपुर एसडीएम श्री जितेन्द्र पटेल ने भी उनके पार्थिव देह को कंधा देकर उन्हे श्रद्धासुमन अर्पित कर सलामी दी।

पाल समाज की महिला ने थाने में की शिकायत- राजीनामा के लिए बनाया जा रहा दबाव, दी जा रही धमकी

राम सिंह यादव ◈ टीकमगढ़

रजनी पत्नि अखलेश पाल निवासी सैपुरा को राजीनामा के लिए दबाव करने एवं जान से मारने की धमकी देने पर कार्यवाही करने

निवेदक है कि रजनी पत्नि अखलेश पाल निवासी सैपुरा के साथ दिनांक 09.05.2023 को शाम के लगभग 4 बजे की है जब आरोपी नीरज साहू द्वारा आवेदक महिला के साथ छेड़छाड़ करने का विरोध करने पर पीठ में पीछे से गोली मार दी। जिससे महिला की रीढ़ की हड्डी टूट जाने से वह मरणासन्न अवस्था में पहुंच गई है। वह चलने फिरने में असमर्थ हो गई है और वह हमेशा बिस्तर पर लेटी रहती है। चूंकि आवेदक बहुत गरीब परिवार है। उसकी आर्थिक बहुत है। आवेदक की एक संतान है। जिसकी उम्र 5 माह है। आरोपी नीरज साहू को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लेकिन उसके परिवारवालों महेश साहू तनय मुन्नीलाल साहू, बबलेश राजपूत त. चैनू राजपूत, श्रीमती जानकी राजपूत पत्नि बबलेश राजपूत, हरिशंकर राजपूत त. चैनू राजपूत निवासी सैपुरा जो गांव के दबंग है। उनके द्वारा पीड़ित निरंतर राजीनामा करने का दबाव बना रहे है और जान से मारने की धमकी दे रहे। आरोपी नीरज साहू के परिवार वालों ने बबलेश के सुपर्द कर दिया है और नीरज साहू का परिवार वहां से अन्य जगह रहने लगे। आरोपी नीरज साहू का मकान पीड़ित रजनी पाल के सामने है। इस कारण बबलेश राजपूत वहां रहकर निरंतर राजीनामा के लिए धमकी दे रहा है। पुलिस अधीक्षक महोदय से निवेदक है कि पीडित रजनी पाल पनि अखलेश पाल निवासी सैपुरा के परिजन दहशत है और उनके परिवार के साथ कोई भी अप्रिय घटना घट सकती है। पीड़िता रजनी की हालत बहुत खराब है। आरोपी नीरज साहू का मकान रजनी पाल को दिया और 27 लाख रूपए की आर्थिक सहायता दी जाए। जिससे रजनी का जीवन और उसकी बच्ची का भरण पोषण हो सके। पीड़िता जीवन भर के लिए अपंग स्थिति में बिस्तर पर पड़ी है। अखिल भारतीय पाल महासभा दोषियों पर उचित कार्यवाही की मांग करती है और पीड़िता को उचित मुआवजा दिलाने की मांग करती है।

धसान नदी में जल स्तर बढ़ने से लहचूरा डैम के सात फाटक खोले, 50 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा

फतवा समाचार ◈ छतरपुर

सागर टीकमगढ़ जिले में हो रही बारिश के चलते धसान नदी में पानी बढ़ने से धसान नदी का जलस्तर बढ़ गया है। जल स्तर बढ़ने से टीकमगढ़ जिले में स्थित सुजारा बांध के चार गेट गुरुवार सुबह 8 बजे खोल कर 20,000 क्यूसेक पानी डिचार्ज किया, जिससे धसान नदी का जल बढ़ गया है। हरपालपुर के सटे एमपी यूपी सीमा पर स्थित चौधरी चरण सिंह बांध (लहचूरा बांध) के सात गेट तीन-फीट ऊंचाई के खोल कर 50 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। लगातार बांधों से पानी छोड़ने के चलते नदी के आसपास के गांवों में अलर्ट जारी किया है। लहचूरा बांध के बीच धसान नदी के किनारे स्थित गांवों में भी प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के लहचूरा बांध पर पदस्थ कर्मचारी ने बताया कि लहचूरा बांध के सात गेट खोलकर पानी धसान नदी में छोड़ा जा रहा है। 700 क्यूसेक पानी अर्जुन फीडर और 200 क्यूसेक नहर में छोड़कर खरीफ फसलों के लिए सिंचाई सुविधा दी है। नदी में बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा रहा है। लहचुरा बांध से गेट खोलने की स्थिति में धसान नदी किनारे बसे गांवों के निवासियों, चरवाहों व मछुआरों को अलर्ट जारी किया है।

जतारा टीकमगढ़ अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन ने दिया गया ज्ञापन

राम सिंह यादव ◈ टीकमगढ़

अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार सुरक्षा संगठन ने एसडीएम जतारा को ज्ञापन देकर अवगत कराया कि लोक निर्माण विभाग की शासकीय जमीन पर जैन समुदाय के लोग अतिक्रमण करके उसे अपने स्वामित्व में लेकर उस पर स्थाई निर्माण कर रहे हैं शासन का ध्यान माननीय कलेक्टर महोदय टीकमगढ़ को दिनांक 14 .7.2023 को अवगत कराया गया था माननीय कलेक्टर महोदय ने तुरंत कार्यवाही करके माननीय एसडीएम साहब को अवगत कराया जिससे जैन समाज के द्वारा जो स्थायीकरण किया जा रहा था उसमें थोड़ी सी रुकावट आई परंतु अभी पूर्णता लोक निर्माण विभाग अथवा माननीय एसडीएम साहब के स्वामित्व में नहीं आ पाया है क्योंकि चाबी वीरेंद्र ठेकेदार के पास है और उसमें अभी-अभी 287000 का लोहे के पाइप लगे हुए हैं जो इस बात का द्योतक है कि भविष्य में यह लोग उस शासकीय भूमि पर चीनी विस्तार नीति के तहत कार्य करके अपने स्वामित्व में लेंगे संगठन में ज्ञापन देने वालों में श्री रामरतन दीक्षित मानव अधिकार सुरक्षा संगठन प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री दशरथ प्रसाद विश्वकर्मा महेंद्र दुबे शंकर का जी रफीक चौधरी राम कुमार गुप्ता सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

बाढ़ में बहे तीन करोड़ के पुल के फिर से निर्माण में खर्च होंगे नौ करोड़ रुपये

फतवा समाचार ◈ सिवनी

सिवनी में वैनगंगा नदी में आई बाढ़ त्रासदी के कारण तीन साल पहले सितंबर 2020 में ध्वस्त हुए सुनवारा पुल का निर्माण जल्द प्रारंभ होगा। 195 मीटर लंबे व 10 ऊंचे पुल निर्माण पर 9 करोड़ रुपये से ज्यादा लोक निर्माण विभाग के सेतु निगम द्वारा खर्च किए जाएंगे। निर्माण एजेंसी राज लक्ष्मी कंस्ट्रक्शन कंपनी गुना को मई 2025 तक पुल का निर्माण पूरा करना है। पुल निर्माण के लिए निर्माण एजेंसी में बोरिंग (गड्ढे) खोदने का काम भी प्रारंभ कर दिया था, लेकिन मानसून प्रारंभ होने के कारण काम अवरूद्ध हो गया। सेतू निगम के अधिकारियों के मुताबिक वर्षा ऋतु के बाद तेजी से निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। गौरतलब है कि 27 से 29 सितंबर 2020 को हुई मूसलाधार वर्षा के बाद भीमगढ़ बांध में पानी का जल स्तर इतनी तेजी से बढ़ा था कि बांध को सुरक्षित करने सभी 10 गेट खोलकर करीब 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने से भीमगढ़ और सुनवारा क्षेत्र के कुछ गांव जलमग्न हो गए थे अथाह पानी की बेग के आगे धनौरा के सुनवारा में वैनगंगा नदी पर नवनिर्मित पुल लोकार्पण से पहले ताश की पत्तों की तरह ध्वस्त होकर नदी में समा गया था। पुल टूटने के बाद बीते तीन सालों से क्षेत्रवासियों को पुराने रपटे से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर आवागमन करना पड़ रहा है। पुल निर्माण को लेकर लंबे समय से चल रही दस्तावेज कार्यवाही अब पूरी हो चुकी हैं। पुल बनाने के लिए सेतु निगम ने एजेंसी तय कर दी है। टूटे पुल के स्थान पर नये पुल का निर्माण वर्षा थमने के बाद प्रारंभ हो जाएगा। सुनवारा में नये पुल निर्माण के लिए 922 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

दूर होगी ग्रामीणों को रही परेशानी

धनौरा से छपारा को जोड़ने वाले प्रधानमंत्री मार्ग पर बने पुल के क्षतिग्रस्त होने से क्षेत्र के लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हालाकि पुल के ठीक बगल में बने पुराने रपटे से वाहनों का आवागमन हो रहा हैं। लेकिन बरसात के दिनों में वैनगंगा नदी का जल स्तर बढ़ने के कारण रपटे के ऊपर से पानी बहने लगता है, ऐसे में धनौरा व छपारा पहुंचने दर्जनों गांव के ग्रामीणों को वैकल्पिक मार्ग का सहारा लेकर आवागमन करना पड़ता है।नया पुल बनने से क्षेत्रवासियों की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा।

नदी में डूबने पर भी नहीं होगा नुकसान

नये पुल को भोपाल व जयपुर से आए ब्रिज विशेषज्ञों ने इस तरह से डिजाइन किया है कि यदि नदी में बाढ़ का पानी बढ़ने से पुल डूब जाता है, तब भी वह मजबूती से खड़ा रहेगा। पानी के बेग से पुल को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। सेतु निगम के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार पुल खड़ा करने 15-15 मीटर की दूरी पर 12 पिलहर खड़े किए जाएंगे साथ ही दोनों किनारों पर दो अवाटमेंट का निर्माण किया जाएगा। पिलहर के ऊपर 13 मीटर चौड़े और 15 मीटर लंबे स्लैब रखकर 195 मीटर लंबे पुल का निर्माण किया जाएगा।

संस्था ने चलाया गरीब बच्चों को शिक्षित करने का अभियान

बाल किशन विश्वकर्मा ◈ छतरपुर

जिले के राजनगर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत भैयाताल में द लिब एंड लर्न फाउंडेशन के द्वारा गरीब बच्चों को सोमवार से शुक्रवार सुबह 7:00 से 10:30 तक हर बच्चे को शिक्षा के साथ-साथ कंप्यूटर ज्ञान देने की जागरूकता पैदा करने के लिए संस्था के द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। संस्था के 5 से ज्यादा सदस्य बच्चों को शिक्षित करने के अभियान में लगे हुए हैं

द लिब एंड लर्न फाउंडेशन के संस्थापक अंजलि पॉल ने बताया कि संस्था एक साल 6 महीने से बेसहारा बच्चों को शिक्षा उपलब्ध करा रही है। साथ ही उनको भोजन भी प्रदान कर रही है जो बच्चे गरीबी के कारण पढ़ नहीं पाते थे, या बेवजह यहां-वहां घूमने में अपना वक्त बर्बाद करते थे, आजकल वह कापी-किताब थामे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। किसी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रखा जा सकता। सभी को मिलकर अशिक्षा के अभिशाप को मिटाना है। संस्था के डायरेक्टर मनोज सेन ने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि संस्था युवा जोश को लेकर आगे बढ़ रही है। झुग्गी बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को एकत्रित करती है। उनके माता पिता को शिक्षा का महत्व समझाती है और उनके जीवन में ज्ञान का दीप जलाने का प्रयास करती है अंजलि पॉल ने बताया कि फाउंडेशन में युवा वर्ग एक जुट होकर खुद शिक्षा ग्रहण करते हुए, उन बच्चों की तलाश करते है, जो शिक्षा नहीं ले पा रहे हैं। उन्हें शिक्षा देने के लिए रोजाना पाठशाला के माध्यम से मुफ्त शिक्षा देते हैं। उनका स्कूल में दाखिला करवाते हैं। इसके साथ इनके माता पिता को जागरूक करते है। बाल विवाह, बालश्रम जैसे कार्यों से के प्रति उनकी सोच को बदलते है। संस्था अब तक 30 से ज्यादातर बच्चों को शिक्षा देने में सफल हुई है और आगे भी इस कार्य को चलाती रहेगी जब मीडिया से संस्था के सीईओ अंजलि पॉल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उनको आर्थिक मदद की जरूरत है वह बड़े रूप में गरीब बच्चों को शिक्षा प्रदान करना चाह रही हैं जिससे वह बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाएं दे सकें शासन और प्रशासन से एवं जिम्मेदार नेताओं से मांग की है कि उनकी मदद के लिए सरकारी संस्थाएं हमारा साथ दें जिससे हम बच्चों का बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें

लोक निर्माण विभाग एवं ठेकेदार की मिली भगत से बीते दिनों हुए सड़क निर्माण तथा नाली में खेली शासकीय राशि की होली

दुलीचंद मार्को ◈ मंडला/जबलपुर

संतोष सोनी ने की 181 में 5 शिकायत मैं संतोष सोनी मनेरी निवासी हूं लोक निर्माण विभाग और ठेकेदार के द्वारा सन 21- 22 में मनेरी से निवास सड़क का निर्माण किया इस निर्माण में ठेकेदार और विभाग के द्वारा सरकारी राशि का जमकर दुरुपयोग किया मनेरी में बाजार चौराहा के पास पुरानी पुलिया को एक साइड बढ़ाकर लीपापोती कर नई पुलिया बनाना बता दिया और गलत जगह में दो पुलिया बना दी गई जिससे एक बूंद पानी नहीं निकल रहा इनके द्वारा गलत तरीके से नाली का अधूरा निर्माण किया गया कुछ लोगों के द्वारा शौचालय एवं बाथरूम का गंदा पानी नाली में अटैच कर दिया है जिससे पूरी गंदगी लोगों के प्लाट से जाकर गांव की सार्वजनिक नदी में मिल रही है जिसकी शिकायत संतोष के द्वारा 181 में 24 मई को की गई जिसका शिकायत नंबर 2234 38 39 है संतोष सोनी के द्वारा 181 में 24 मई से 22 जून तक 5 शिकायत की गई पर लोक निर्माण विभाग द्वारा न तो

शिकायत कर्ता से संपर्क किया गया ना ही मौका स्थल का निरीक्षण किया गया उल्टे गलत जानकारी देकर पांचों शिकायत बंद करा दी गई इन्होंने कहा मैं अपने आप में बहुत भयभीत हूं 15 जुलाई सन 2020 को मेरे परिवार में दिल दहला देने वाला नरसंहार हुआ था जहां 6 लोगों की हत्या कर दी गई थी उन्होंने यह भी बताया कि करीब 30 वर्ष से में एक आदिवासी के मकान में अपने परिवार सहित किराए से रह रहा है अब वह अपना मकान बनाना चाहता है पर उसके प्लाट से बरसात एवं घरों का गंदा पानी बहने से वह मकान नहीं बना पा रहा है पीड़ित संतोष सोनी अपने परिवार सहित बहुत भयभीत है उसे डर सता रहा है कि जब विभाग और ठेकेदार 181 की शिकायत बंद करा सकते हैं तो पीड़ित के साथ कुछ घटना भी करा सकते हैं अगर मेरे परिवार के साथ मेरे साथ कोई भी हादसा होता है तो उसकी पूरी जवाबदारी लोक निर्माण विभाग और ठेकेदार की रहेगी पीड़ित का यह भी कहना है कि 181 हेल्पलाइन से विश्वास उठ गया है विभाग द्वारा जो गलत तरीके से पुलिया और नाली बनाई गई है इसकी जांच जिले एवं दूसरे विभाग से जांच कराकर कार्रवाई करने और मेरे प्लाट और सार्वजनिक नदी में मिल रही गंदगी को बंद कराएं अभी पंद्रह तारीख की हुई जोरदार बारिश से रोड किनारे रह रहे विश्राम चक्रवर्ती और बेड़ी चक्रवर्ती के मकान में सड़क का पूरा पानी घुसते हुए गया बेड़ी चक्रवर्ती का कहना है कि अगर पानी घुसने से मेरा घर का नुकसान होगा तो मेरे रहने को कहीं भी जगह नहीं है करीब 600 मीटर तक पूरी सड़क में 3 फीट पानी भर गया था जिससे वाहन एवं आमजन बहुत परेशान होते रहे यहां लोगों का कहना है शीघ्र ही हमारी समस्या का निदान करें।

इनका कहना है

संतोष पिता फूल चंद सोनी मनेरी के द्वारा 24 मई से 22 जून तक 181 में पांच शिकायत की गई और लोक निर्माण विभाग के द्वारा मेरी शिकायतों पर गलत जानकारी देकर मेरी पांचों शिकायत बगैर निराकरण की बंद करा दी गई मेरे द्वारा अधूरी नाली को पूरा करने की मांग की गई थी अब मैं इनके द्वारा रोड निर्माण में किए गए सारे गलत निर्माण कार्यों की जांच चाहता हूं विभाग और ठेकेदार के द्वारा मनेरी ग्राम में तीन जगह अधूरी नाली बनाई गई है इनके द्वारा दो जगह गलत पुलिया बनाई गई है पेवर ब्लॉक भी आधे अधूरे बिछाए गए हैं सड़क भी एक तरफ करीब 8 फीट बढ़ाकर बनाई गई है इन सभी की जांच में लोक निर्माण विभाग के अलावा दूसरे विभाग से कलेक्टर लेवल के अधिकारियों से कराना चाहता हूं।

आपने गांव के वीर जवान की 14 वी शहीद दिवस को चटरा डुगारिया के ग्रामीणों ने मनाया गौरव बलिदान दिवस

दुलीचंद मार्को ◈ मंडला/जबलपुर

आज से चौदह साल पहले CRP ऋवीर जावन रेवत सिंह उइके जी जिनकी पोस्टिंग कश्मीर मे हुई थी, दुश्मनों की गोलियों से रेवत सिंह जी वीर गति को प्राप्त हुए देश के लिए कुर्वान हुए उसी वीर शहीद की याद मे समस्त ग्रामवाशियो ने पुष्पांजलि अर्पित कर तिल चित्र पर माल्यअर्पण कर नमन कर शाहिद को याद किया कर उनके नाम का शाहिद स्मार्क उद्धाघटन किया !इस कार्यक्रम में वीर जवान को ग्रामीणों द्वारा आपने गीत भाषण रूप मे याद किया लोगो को आपने देश अपनी माटी के प्रती मार मिटने का संकल्प भी दिला गया, दुर्गेश सिंगरोरे ने आपने भाषण में वीर जवान को याद किया और लोगो को बता किया वीर शाहिद जवान रवते ने अपनी माटी का देश का मात्भूमि का कर्ज उतर कर आपने गांव का नाम रोशन किया है,इस काम के लिए इस गांवों मे उनका नाम सवर्ण अक्षरों

से लिखा जायगा जिससे की आने बली गाओ की पीढ़ी को देश और आपने समाज के लिए कुर्बान होने की भावना का संचार हो सके !रेवत उइके ने तो अपना काम कर दिया आप गाओ बाले देश और गाओ निर्माण में अपनी जन भागीदरि दे अपनी सड़क और स्कूल के संघर्ष करे सरकार और सत्ता तक अपनी बात पहुचाए। करीक्रम मे उपस्थित गाओ के सियाने पच मुकदम ज्ञान सिंह मरावी जी, अकाल सिंह तेकम, फगाराम उइके जी, शंकर लाल, यदाव जी, रामसिंह उइके, हरिश्चन्द्र तेकम, चन्द्र सिंह उइके, रतन सिंह मरावी जी, निरूप दास बघेल, भानुवती मरावी जी, शकुंतला बघेल,ग्राम के उपस्थित सरपंच हेमराज राज पंद्रम जी ,उप सरपंच चेन सिंह बिलठारीया ,जनपद सदस्य बबलू परते भारतीय आम नागरिक देश संघर्ष युवा संगठन के कार्यकर्ता रमेश तेकाम वीरेंद्र तेकाम जय सिंह तेकाम जगदीश मरावी ,मानीराम तेकम आदि सभी कार्यकर्ताओ ने पूरे करी क्रम को सफल बनाया!

जन अभियान परिषद ने किया वसुंधरा का श्रृंगार

दुर्गेश बर्मन ◈ डिंडोरी शहपुरा

हरियाली अमावस्या के अवसर पर जन अभियान परिषद के सभी नवांकुर, मेंटर्स और विकास खंड समन्वयक द्वारा नवीन स्कूल शहपुरा में अमरुद के पौधे का रोपण कर पौधारोपण महाभियान का शुभारंभ किया गया इसके साथ ही ग्राम देवगांव और रेपुरा में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था द्वारा 10 फलदार पौधो का रोपण किया गया शिव शक्ति जन कल्याण समिति द्वारा ग्राम बांकी में 10 फलदार पौधे लगाए गए वही ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रमपुरी द्वारा 5 पौधे लगाए गए सेक्टर बरगांव में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति

अमेरा द्वारा मां नर्मदा के किनारे मालपुर में 10 फलदार पौधो का रोपण किया गया पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण में जन अभियान परिषद की भूमिका हमेशा से महत्पूर्ण रही है माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशानुसार इस वर्ष भी प्रस्फुटन समितियों और छात्रों मेंटर्स और नवांकुर द्वारा पौधारोपण महाभियान विकास खंड समन्वयक डॉ. नीलेश्वरी वैश्य के मार्गदर्शन चलाया जा रहा है।

आज के पौधारोपण कार्यक्रम में जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक सहित राधे श्याम साहू, परदेसी झारिया, शंभू विश्वकर्मा, डुमारी लाल, जैविक कृषि विशेषज्ञ व परामर्शदाता बिहारी लाल साहू, गोपाल रैदास, नंद कुमार, लोकेश साहू, अशोक धुर्वे आदि उपस्थित रहे।

27 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का होगा आयोजन

दुर्गेश बर्मन ◈ डिंडोरी शहपुरा

डिंडोरी शहपुरा योगदा ध्यान मंडली के अध्यक्ष इंजीनियर नरेंद्र साहू ने जानकारी में बताया की पुरुषोत्तम मास के अवसर पर योगदा ध्यान मंडली बरगांव के तत्वाधान में 27 दिवसीय श्रीमद्भागवत का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 18 अगस्त दिन मंगलवार को कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा साथ ही स्थापना पूजन संपन्न होगी इसके बाद निरंतर 27 दिनों तक श्रीमद् भागवत कथा का संपूर्ण वाचन ,संस्कृत व हिंदी में कथावाचक पंडित सुशील तिवारी बरगांव के द्वारा किया जाएगा ,कथा का समय सुबह 8,30 से 11,30 बजे तक व शाम के समय 3 बजे से 6 बजे तक किया जावेगा,योगदा ध्यान मंडली के द्वारा कथा श्रवण कर अपने आप को धन्य कर ज्ञान गंगा में डुबकी लगाने , आग्रह किया गया ।।

योगदा ध्यान मंडली बरगांव के तत्वावधान से आयोजन

जीएसटी को ईडी में लाने का विरोध जबलपुर के व्यापारियों में संशय

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

जबलपुर चेम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री ने जीएसटी को ईडी के दायरे में लाने पर विरोध किया है। इन दिनों जबलपुर के व्यापारियों के बीच इसको लेकर संशय बना है । व्यापारियों का कहना है कि मनी लांड्रिंग जैसे क्रिमनल एक्ट को जीएसटी कानून में लाने से व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ेंगी। यदि उनसे छोटी सी भी गलती होती है तो उन्हें जेल जाना होगा। चेम्बर आफ कामर्स ने इसका विरोध किया है। चेम्बर के मुताबिक 7 जुलाई 2023 को केन्द्र सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि मनी लांड्रिंग कानून के अंतर्गत अब जीएसटी नेटवर्क भी आएगा। जीएसटी संबंधित सारी सूचना का

आदान-प्रदान एवं आरोप सिद्ध करने के लिए इसका उपयोग मनी लांड्रिंग कानून के अंतर्गत इन्फोर्समेंट डायरेक्टरेट ईडी द्वारा भी किया जा सकता है। जब मनी लांड्रिंग कानून एक विशिष्ट क्रिमिनल अपराध को दशार्ता है, जिसमें कठोर सजा का प्रविधान है, तो ऐसे में व्यापारियों का डरना स्वाभाविक है। चेम्बर ने इसका विरोध किया है। चेम्बर के चेयरमेन कमल ग्रोवर ने कहा कि जीएसटी को मनी लांड्रिंग कानून के तहत लाकर व्यापारी को चोर बताने का प्रयास किया जा रहा है। देश में लगभग 7 करोड़ छोटे व्यापारी हैं, जिनका हमारी अर्थव्यवस्था में योगदान नहीं नकारा जा सकता। ऐसे में सभी व्यापारियों को जीएसटी के माध्यम से मनी लांड्रिंग कानून की जद में लाना न्याय संगत नहीं हो सकता, राजस्व बढ़ाने या वसूली के नाम पर व्यापारी को तंग करना न्यायोचित नहीं हो सकता। चेम्बर के अध्यक्ष प्रेम दुबे ने बताया कि जीएसटी में अपील करने के लिए एक पृथक अपील ट्रिब्यूनल का गठन किया जाए ताकि जीएसटी में आ रही विसंगती को दूर किया जा सके। जबलपुर चेम्बर के कमल ग्रोवर, राधेश्याम अग्रवाल, पंकज माहेश्वरी, अजय अग्रवाल, नरिंदर सिंह पांधे, अजय बखतावर, रोहित खटवारी, विनीत गोकलानी, अरुण पवार, रजनीश त्रिवेदी, सीए अनिल अग्रवाल, शिशिर नेमा, दीपक सेठी, शशिकांत पांडेय आदि ने इस नोटिफिकेशन का पुरजोर विरोध किया है।

जीआइएफ में प्रबंधन से विवाद के बाद तीन कर्मचारी नेता सस्पेंड

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

जीआइएफ में प्रबंधन और कर्मचारी नेताओं के बीच हुए विवाद के बाद तीन कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इधर कर्मचारी के सस्पेंड होने के बाद 29 जुलाई को होने वाले वर्क्स कमेटी चुनाव भी रद हो गया है। इसको लेकर मजदूर यूनियन ने आपत्ति जताई है और कहा- प्रशासन भय दिखाकर गलत बात के लिए कर्मचारियों को दबाब बना रहा है। इसलिए चुनाव को रद कर दिया है। हमने

ओएफके को एक महत्वपूर्ण उत्पाद समय सीमा में देने की प्रतिबद्धता जताई है। उत्पाद पूरा होते ही वर्क्स कमेटी चुनाव की तिथि घोषित कर दी जायेगी। मजदूर यूनियन के कार्यसमिति सचिव राकेश दुबे ने कहा कि जीआइएफ के एमपीवी अनुभाग में शनिवार को हुई घटना में एक जेडब्ल्यूएम के दुर्व्यवहार का विरोध किया। उनकी शिकायत पर 3 साथियों महासचिव मनोज साहू , राजेन्द्र कुर्मी और कमल को बिना किसी वजह के सस्पेंड कर दिया गया। प्रशासन का तानाशाही यह बता रहा है कि प्रशासन कर्मचारियों के साथ छल कर रहा है। जीआइ एफ प्रशासन को इसका जवाब आंदोलन से दिया जाएगा ।

सवा दो करोड़ के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण भूमिपूजन

विजयराघवगढ़ की जनता के आशीर्वाद से एक बार पुन: प्रधान सेवक बनूंगा : संजय पाठक

फतवा समाचार ◈ कटनी

विधायक संजय पाठक ने आज विकास पर्व के अंतर्गत विजयराघवगढ़ के परसवारा, टीकर, धवैया,बिचपुरा में 2 करोड़ 25 लाख से 9 विकास कार्यों का भूमिपूजन लोकार्पण किया सड़कें,सामुदायिक भवन, बाउंड्री वॉल शामिल है। इस दौरान उन्होंने जनता से संवाद करते हुए कहा कि विधानसभा में विकास कार्यों को कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है, हमारी सरकार ने विकास कार्यों के लिए धन का मुंह विजयराघवगढ़ की ओर करके खोल दिया है। जिससे गांव-गांव एवं संपर्क मार्ग बनाए जा रहे हैं, सामुदायिक भवन,रंगमंच,बारातघर बन रहे हैं और लोगों तक सीधे विकास पहुंच रहा है। आज गांव के अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति को निःशुल्क गैस कनेक्शन, शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री आवास, घर घर पीने के लिए पानी,शिक्षा,चिकित्सा का लाभ दिया जा रहा है। केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं में धन की कमी नहीं है। आज

विधानसभा में तीन बायपास स्वीकृत है। अच्छी सड़के बन रही है। क्षेत्र में शिक्षा के विकास के लिए अब कारीतलाई में 38 करोड़ से सीएम राइज स्कूल स्वीकृत हो गया है जिसमें अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई होगी जिसका भूमिपूजन जल्द होगा साथ ही साथ ग्राम चरी प्रधानमंत्री श्री स्कूल योजना से स्कूल भी स्वीकृत हो गया है जिससे शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी।आज विजयराघवगढ़ प्रदेश की सबसे अधिक विकास वाली विधानसभा है । मैनें विजयराघवगढ़ के विकास के लिए जितना संभव हुआ कार्य किया है आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता के पुनः आशीर्वाद से प्रधान सेवक बनने का चुनाव लड़ूंगा। श्री पाठक ने सभी जगह उपस्थित भारी जनसमुदाय से पांच सालों में किए गए विकास कार्यों एवं क्षेत्र की सेवा से जनता की संतुष्टि पर सवाल करते हुए आगे पुनः सेवा के लिए चुनाव लड़ने का आशीर्वाद मांगा जिस पर उपस्थित सभी लोग ने हाथ उठाकर अपना समर्थन आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही श्री पाठक ने बरही के मंडी परिसर में खाद वितरण केन्द्र का भी शुभारंभ किया इस केंद्र के शुभारंभ होने से किसान आवश्यकता अनुसार खाद ले सकेंगे। इस अवसर पर विजयराघवगढ़ एवं बड़वारा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुधा कोल, श्रीमती सुधा जायसवाल,उपाध्यक्ष उदयराज सिंह चौहान ,रामसेवक दुबे,भाजपा जिला महामंत्री सतीश तिवारी,रंगलाल पटेल,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश गर्ग,राकेश द्विवेदी, डारेश्वर पाठक, बरही नगर परिषद अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल सभी मंडल अध्यक्ष गण मनीषदेव मिश्रा,प्रमोद सोनी, केशव यादव,जयवंत सिंह, शिवगोपाल चतुर्वेदी, पंकज सिंह, लवलेश सिंह सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्तिथि रहें।

जन सुनवाई में 202 आवेदन पत्रों में की गई सुनवाई

फतवा समाचार ◈ रीवा

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक जन सुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे एवं संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय ने आमजनता के 202 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जन सुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर आमजनता के आवेदन पत्रों का निराकरण सुनिश्चित करें। आवेदन पत्रों के निराकरण का प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जन सुनवाई में अनुपस्थित अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए।

जन सुनवाई में ग्राम पंचायत खजुहा कला सरपंच संध्या रानी पटेल ने शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। तहसीलदार गुढ़ को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए गए। वीरेन्द्र प्रताप सिंह निवासी ग्राम उमरिहा 59 ने प्रधानमंत्री आवास योजना का अवैध दस्तावेजों से लाभ लेने वालों पर कार्यवाही के लिए आवेदन दिया। आवेदन पत्र में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान को कार्यवाही के निर्देश दिए गए। आशीष तिवारी निवासी ग्राम गढ़ा रघुवर ने ग्राम पंचायत द्वारा लगाए जा रहे निर्माण कार्यों में बालश्रम की शिकायत की। जिला श्रम पदाधिकारी को प्रकरण में जाँच कर कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जन सुनवाई में सुखदेव सोंधिया निवासी नीगा ने शासकीय जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। तहसीलदार हुजूर को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए गए। देवी सिंह बघेल निवासी रतहरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन दिया। आयुक्त नगर निगम को आवेदन पत्र में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। मदनांतक बुधौलिया निवासी गोविंदगढ़ ने पैतृक आवास के नामांतरण के लिए आवेदन दिया। नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जवा के कर्मचारियों रामबाबू केवट तथा श्यामवती केवट ने मानदेय भुगतान के लिए आवेदन दिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मानदेय का तत्काल भुगतान कराने के निर्देश दिए गए। जयनंदन साकेत, बसंती साकेत तथा 15 अन्य आवेदकों ने ग्राम इटौरा में भू स्वामित्व प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया। तहसीलदार हुजूर को नियमानुसार भू स्वामित्व प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। श्रीमती सविता पटेल निवासी मनिकवार ने खाद्यान्न पर्ची के लिए आवेदन दिया। जिला आपूर्ति अधिकारी को पात्रता के अनुसार पर्ची जारी करने के निर्देश दिए गए। जन सुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सीधी एवं सिंगरौली को भूमि सम्मान से राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

सीधी/सिंगरौली। भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में ''डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम'' के अंतर्गत सराहनीय कार्य के लिए कलेक्टर सीधी एवं सिंगरौली कलेक्टर को भूमि सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भूमि प्रबंधन और प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये मध्य प्रदेश के राजस्व आयुक्त और 15 जिलों के जिला कलेक्टरों को भूमि सम्मान, 2023 प्रदान किया। केंद्रीय विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह में 9 राज्य सचिवों और 68 जिला कलेक्टरों को ये पुरस्कार वितरित किये गये। मध्य प्रदेश के आयुक्त भू-अभिलेख डा. संजय गोयल ने अपनी टीम के सदस्यों के साथ राज्य शासन की ओर से पुरस्कार ग्रहण किया। कार्यक्रम में केंद्रीय पंचायती राज राज्यमंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल तथा ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित थे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपलब्धि के लिये राजस्व विभाग, तत्कालीन प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, सभी संबंधित जिला कलेक्टरों तथा राजस्व रिकार्ड के डिजिटलाइजेशन में लगी टीम को बधाई दी है। सीधी जिले की ओर से कलेक्टर साकेत मालवीय, अपर कलेक्टर राहुल धोटे एवं उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा ने भूमि सम्मान प्लेटिनम प्रमाण पत्र प्राप्त किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के सीधी जिले के अलावा टीकमगढ़, हरदा, खरगोन, अलीराजपुर, गुना, आगर मालवा, उमरिया, नीमच, उज्जैन, इंदौर, विदिशा, सिंगरौली, भोपाल और अनूपपुर जिले के कलेक्टर्स भी सम्मानित हुए। उल्लेखनीय है कि ''डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम'' के अंतर्गत भू अभिलेखों (खसरा) का कंप्यूटरीकरण, नक्शों का कंप्यूटरीकरण, नामांतरण का कंप्यूटरीकरण, संपदा पोर्टल से भू अभिलेखों को लिंक करना, खसरों को नक्शों से लिंक करना, आधुनिक अभिलेखागारों का क्रियान्वयन किया जाना था। जिले में उक्त कार्यों में उपलब्धि पर सम्मानित किया गया है। जिले की सभी तहसीलों में आधुनिक अभिलेखागार स्थापित किया गया है जिसमें पुराने हस्त लिखित अभिलेखों को डिजिटल रूप में संधारित किया जाकर अभिलेखों की नकल प्रदाय की जा रही है। स्वामित्व एवं मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार पत्र में आवेदन से भू-अधिकार पत्र देने की शतप्रतिशत कार्यवाही पोर्टल एवं एप्प में माध्यम से की जा रही है।

करोड़ 47 लाख से निर्मित आदिवासी बालक छात्रावास भवन देवसर का सांसद ने किया लोकापर्ण

फतवा समाचार ◈ सिंगरौली

विगत दिवस सीधी सिंगरौली सांसद श्रीमती रीति पाठक के मुख्य अतिथि एवं जनपद पंचायत देवसर के अध्यक्ष श्री प्रणव पाठक के विशिष्ट अतिथि में 2 करोड़ 47 से देवसर में निर्मित 50 सीटर आदिवासी बालक छात्रावास भवन का सांसद श्रीमती पाठक के द्वारा विधिवत पूजा अर्चन कर लोकापर्ण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुये सांसद श्रीमती पाठक ने कहा कि केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के द्वारा कई जन कल्याणकारी योजनाऐं संचालित कर अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को लाभान्वित किया जा रहा है।

सांसद श्रीमती पाठक ने कहा कि कई विकास कार्यो इसी प्रकार लोकापर्ण एवं भूमि पूजन विकास पर्व के अवसर पर किये जायेगें। सरकार ने सड़क बिजली पानी स्वास्थ्य रोजगार सब कुछ जनता तक पहुचाया है। उन्होने कहा कि आज गरीब के पास प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान कार्ड से उपचार जैसी सुविधा मिली है। उन्होने उपस्थित बहनो से कहा कि उनके घर पर टोटी वाले नल से जल आ रहा है सभी घरो में नल से ही जल आयेगा। वही बहनो को जहा प्रदेश सरकार के द्वारा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के तहत लाभान्वित कराया जा रहा है बहनो को अत्म निर्भर बनाने के लिए स्वा सहायता समूह से जोड़कर उनकी आमदनी बड़ाने का कार्य किया जा रहा है। सांसद श्रीमती पाठक ने कहा कि इस छात्रावास में जहा बच्चो को रहने की अच्छी व्यवस्था रहेगी जिसके उनके पठन पाठन में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर वरिष्ट समाजसेवी वशिष्ट पाण्डेय, अनंन्त शुक्ला, राज नारायण गुप्ता, संजय पाठक, रामधनी जयसवाल, मंगलदीन बैस,सरपंच रामधनी सहित उपसंचालक जन जाति कार्य विभाग संजय खेडकर सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

स्वच्छता सर्वेक्षण में नगरीय निकायों की रैंकिंग सुधार का प्रयास करें : कमिश्नर

नलजल योजनाओं के निर्माण में लापरवाही बरतने वालों पर कार्यवाही करें : कमिश्नर

फतवा समाचार ◈ रीवा

कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर अनिल सुचारी ने कृषि, पशुपालन, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग तथा पीएचई विभाग के निर्धारित बिन्दुओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने नगरीय निकाय की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए संभाग के सभी नगरीय निकायों में विशेष प्रयास करें। इसके लिए निर्धारित बिन्दुओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। जिससे सर्वेक्षण में नगरीय निकायों की रैंकिंग में सुधार हो। रीवा नगर निगम क्षेत्र में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। कचरे का प्रतिदिन उठाव सुनिश्चित करें। अधिक वर्षा की स्थिति में जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए उचित उपाय करें। स्वच्छता सर्वेक्षण में पिछले वर्ष केवल सिंगरौली और कोटर को ही थ्री स्टार रेटिंग मिली थी। रीवा नगर निगम को फाइव स्टार रेटिंग में ले जाने का प्रयास करें। कमिश्नर ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य आवास योजनाओं के निर्माण कार्य तेजी से पूरा कराएं।

कमिश्नर ने कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि संभाग के सभी जिलों में खाद का पर्याप्त भण्डारण है। संयुक्त संचालक कृषि एसके नेताम ने बताया कि अब तक संभाग के सभी जिलों में लगभग 30 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। सीधी जिले में बोनी का प्रतिशत कम है। तेज बारिश होने पर धान की रोपाई में तेजी आएगी। धान के लिए किसानों को नहरों से भी पानी दिया जा रहा है। संभाग में ज्वार, मक्का तथा कोदौ जैसे अनाजों की बोनी लक्ष्य का 60 प्रतिशत अधिक हो चुकी है। कमिश्नर ने लाड़ली बहना योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि शेष लगभग तीन हजार महिलाओं के बैंक खाते डीबीटी कराकर इसकी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराएं। जिससे सभी पात्र महिलाओं को आगामी 10 अगस्त को राशि प्राप्त हो सके। खाद्य विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि उचित मूल्य दुकानों को समय पर खाद्यान्न की आपूर्ति करें। खाद्यान्न का उठाव और वितरण संतोषजनक नहीं है। खाद्यान्न के परिवहन की भी सतत निगरानी करें। कोविड काल में नियम विरूद्ध खाद्यान्न वितरण करने वालों पर कार्यवाही करें।

कमिश्नर ने नलजल योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि पूरे संभाग में नलजल योजनाओं के निर्माण में तेजी लाएं। निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों तथा निर्माण एजेंसियों के विरूद्ध अर्थदण्ड लगाने के साथ ब्लैक लिस्टेड करने की कार्यवाही करें। रीवा जिले में रेट्रो फिटिंग से स्वीकृत 811 नलजल योजनाओं में से केवल 478 पूरी हुई हैं। अधीक्षण यंत्री पीएचई ने बताया कि सितम्बर माह तक शेष सभी नलजल योजनाओं का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि संयुक्त संचालक सभी जिलों का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करें। लापरवाही बरतने वाले डॉक्टरों तथा चिकित्सा कर्मियों पर कार्यवाही प्रस्तावित करें। शीघ्र ही स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन की विकासखण्डवार समीक्षा की जाएगी। गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन कराएं। सीधी जिले में गर्भवती महिलाओं का पंजीयन तथा प्रसूति सहायता का वितरण संतोषजनक नहीं है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को इस संबंध में कार्यवाही का नोटिस दें। कमिश्नर ने अमृत सरोवरों के निर्माण की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी सरोवरों का निर्माण पूरा कराकर पूर्णता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। इन सरोवरों का मछली पालन के लिए भी उपयोग सुनिश्चित करें। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि रीवा, सतना तथा सीधी जिले में लंपी वायरस के प्रकोप की सूचनाएं मिली हैं। प्रभावित पशुओं के उपचार की समुचित व्यवस्था करें। साथ ही रोग से बचाव के लिए तेजी से पशुओं का टीकाकरण कराएं। प्रभारी संयुक्त संचालक डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि लंपी रोग से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध है। अब तक रीवा जिले में 1.25 लाख, सीधी में 96 हजार, सतना में 98 हजार तथा सिंगरौली जिले में 75 हजार टीके लगाए जा चुके हैं। टीकाकरण का कार्य लगातार जारी है। अभी तक 642 पशुओं में लंपी वायरस का संक्रमण पाया गया है। इनमें से 348 उपचार के बाद पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं। शेष का उपचार जारी है। बैठक में संयुक्त आयुक्त निलेश परीख, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, उप संचालक डॉ एनपी पाठक, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद को पितृशोक लोगों ने दी श्रद्धांजलि

श्रीधर सिंह सतना।

सतना सांसद माननीय गणेश सिंह के पिताश्री कमलभान सिंह (95) का दिल्ली इलाज के दौरान हुआ दुःखद निधन हो गया। दुख की इस घड़ी में परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की गई। उनके निधन पर युवा मंडल कोटर मीडिया प्रभारी चक्रधर सिंह, डॉ. सत्येंद्र प्रताप सिंह, एड. उपेंद्र सिंह, अरुण सिंह, नितिन सिंह, पिंटू सिंह, रवि सिंह, विकास सिंह, अतुल सिंह, शिव प्रताप सिंह, विपिन अग्निहोत्री, गुड्डा सिंह, ज्ञान सिंह, श्रीनिवास साकेत, शिबू शुक्ला, दल प्रताप सिंह, संतोष साकेत, सुनील सिंह, राजा रावत, प्रवीण प्रताप सिंह, धीरू अग्निहोत्री, नीरज सिंह, अभयराज रावत, भोले तिवारी, गोलू सिंह आदि ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए। ह्रदय को अत्यंत पीड़ा देने वाले इस दुःख की घडी में ईश्वर से नम्र प्रार्थना करते है के दिवंगत को परमशांति और मोक्ष प्राप्त हो तथा उसके स्नेहीजन इस कठीण परिस्थिति में साहस और संयम प्राप्त करे।

भोलेनाथ का जलाभिषेक कर किया पूजन-अर्चन

श्रीधर सिंह ◈ सतना

मंदाकिनी का जल लेकर गैवीनाथ धाम पहुंची विधायक की पदयात्रा

चित्रकूट विधायक नीलांशु चतुर्वेदी पुण्य सलिला मंदाकिनी का जल लेकर पदयात्रा करते हुए बिरसिंहपुर के ऐतिहासिक गैवीनाथ धाम पहुंचे। यहां उन्होंने मंदाकिनी के पवित्र जल से गैवीनाथ स्वामी का जलाभिषेक किया। इस दौरान उनके समर्थक व स्थानीय जन काफी संख्या में शामिल हुए।
चार दिन पहले चित्रकूट से विधायक नीलांशु ने अपनी पदयात्रा शुरू की थी। इस दौरान वे अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में होते हुए और रात्रि विश्राम करते हुए गैवीनाथ धाम पहुंचे। यहां भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजन अर्चन किया। यहां विधायक ने भोग प्रसाद के लिए चांदी के बर्तन भी मंदिर प्रबंधन को सौंपे।

चुनावी यात्रा नहीं

जलाभिषेक कार्यक्रम के बाद विधायक नीलांशु ने कहा, यह कोई चुनावी यात्रा नहीं है। मन में ईश्वर की जिज्ञ-ासा जगी और हमने इस यात्रा की शुरूआत कर दी। भंडारा के साथ प्रसाद वितरण कर क्षेत्रवासियों सहित सभी लोग के सुख समृद्धि के लिए आशीर्वाद भी मांगा है।

तीन वर्षीय मासूम से दुष्कर्म,नाबालिक ने रिश्ते को किया शर्मसार

सीधी। जिले के मझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में तीन वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म करने का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। आरोपी रिश्ते का चाचा है जिसके द्वारा आज दोपहर मासूम को चाकलेट का प्रलोभन देकर घर के पीछे ले जाकर घृणित वारदात को अंजाम दिया गया। दर्द से बिलखती मासूम जब अपनी मां के पास पहुंची तो उसे रक्तरंजित देखकर घटना की जानकारी मिली। डायल 100 को सूचना मिलने पर पीड़िता को मझौली थाना प्रभारी दीपक बघेल के निर्देश पर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने पीड़िता को आपरेशन थियेटर में ले जाकर तत्काल आपरेशन किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री अंजूलता पटले के साथ एसआई प्रीती वर्मा समेत पुलिस बल जिला अस्पताल पहुंच गया। मिली जानकारी के अनुसार आज दोपहर 3 वर्षीय मासूम के साथ रिश्ते में लगने वाले 15 वर्षीय चचेरे चाचा ने रिश्ते को शर्मसार करते हुये दुष्कर्म किया। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर पूंछतांछ की जा रही है। आरोपी के विरूद्ध आपराधिक मामला भी पंजीबद्ध कर लिया गया है। पीड़िता की हालत में सुधार बताया जा रहा है।

बच्चों को दवा पिलाकर दस्तक अभियान की शुरूआत

श्रीधर सिंह ◈ सतना

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धवारी में कलेक्टर अनुराग वर्मा,सीएमएचओ डॉ एल के तिवारी ने बच्चों को दवाई पिलाकर दस्तक अभियान का शुभारंभ किया। इसके तहत जिले में 18 जुलाई से 31 अगस्त तक घर-घर जाकर पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों में बीमारियों की पहचान करते हुए प्रबंधन, उपचार किया जाएगा। अभियान के तहत जिले में 350 दस्तक दलों का गठन किया गया है, जिनके द्वारा घर-घर जाकर पांच साल तक की आयु के बच्चों में बीमारियों की पहचान, रेफेरल एवं प्रबंधन किया जाएगा।

एएनएम को नोटिस

दस्तक अभियान के पहले दिन सीएमएचओ डॉ एल के तिवारी आंगनवाड़ी केन्द्र 41 अर्जन नगर पतेरी में औचक निरीक्षण पर पहुंचे। संविदा एएनएम ललिता गौतम को दस्तक अभियान की जानाकरी न होने,किसी भी बच्चे की स्कीनिंग न करने व दवाई सामग्री जिला स्टोर से प्राप्त न करने पर नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा-मोदी सरकार की लोकप्रियता से भयभीत हैं विरोधी दल

पानी और तेल जैसा बेमेल है विपक्षी दलों का गठबंधन

20 लाख करोड़ के घोटालों पर कार्यवाही के डर से विपक्षी दल एक मंच पर

भोपाल नप्र। वैचारिक असमानता वाले, अलग-अलग ध्येय और अलग-अलग एजेंडा को लेकर राजनीति में आए विभिन्न राजनीतिक दल एक बार फिर गठबंधन का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर दल ऐसे हैं, जिन्होंने राजनीति की शुरुआत कांग्रेस के विरोध के साथ की थी, लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता से भयभीत होकर ये कांग्रेस का ही हाथ थामने को तैयार हैं। ऐसे दल जो एक-दूसरे के विरोधी और प्रतिद्वंदी रहे हैं, आज गले मिल रहे हैं। इन परस्पर विरोधी दलों का यह गठबंधन पानी और तेल के मेल की तरह बेमेल साबित होगा। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि एक छाते के नीचे आने की कोशिश में लगे इन नेताओं का कॉमन मिनिमम प्रोग्राम किसी भी तरह सत्ता हासिल करना और अपने तथा अपना और अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित करना है। इन दलों की कार्यप्रणाली पर अगर नजर डाली जाए, तो इनमें से अधिकांश परिवारवादी और अलोकतांत्रिक हैं। सपा में मुलायमसिंह के बाद उनके बेटे अखिलेश उत्तरधिकारी हैं, राजद को लालू यादव के बेटे चला रहे हैं, एनसीपी में शरद यादव की बेटी सुप्रिया सुले को उत्तराधिकारी घोषित किया जा चुका है, नेशनल कांफ्रेंस को फारुक अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला संभाल रहे हैं, टीआरएस में के चंद्रशेखर राव के बाद उनके बेटे आगे आ गए हैं, डीएमके में करुणानिधि के बाद उनके बेटों का कब्जा है, टीएमसी में अभी से ममता बनर्जी के भतीजे सूत्र अपने हाथ में लेने लगे हैं। शर्मा ने कहा कि इस बेमेल गठबंधन की धुरी कांग्रेस पार्टी तो पूरी तरह से परिवारवादी पार्टी है, जिस पर पं. नेहरू से लगाकर आज तक एक ही परिवार का कब्जा है। आज भी सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा के आगे कांग्रेस के दरबारी नेता देख ही नहीं पाते।

शर्मा ने कहा कि आज अगर ये दल एक दूसरे का हाथ थामने की कोशिश में हैं, तो उसका ये आशय नहीं है कि इन्हें देश की चिंता है। बल्कि इन सभी नेताओं को अपनी आने वाली पीढियों की चिंता है। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि गठजोड़ की कोशिश में लगे ये सभी दल भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। अगर इन सभी के घोटालों को जोड़ लिया जाए तो लगभग 20 लाख करोड़ के घोटाले इन दलों ने किए हैं। अकेली कांग्रेस पार्टी ने ही 20 लाख करोड़ से अधिक घोटाले किए हैं। 1.86 लाख करोड़ का कोयला घोटाला, 1.76 लाख करोड़ का टू जी घोटाला, 70 हजार करोड़ का कॉमनवेल्थ घोटाला, 10 हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला और हेलीकॉप्टर से लेकर पनडुब्बी खरीदी तक में इन्होंने घोटाले किए हैं। राजद के नेताओं ने इतने घोटाले किए हैं कि अदालतें इन्हें सजा दे-देकर थक गई हैं।

11 स्मार्ट वर्क से 51 प्रतिशत वोट बैंक का लक्ष्य पूरा करेगी भाजपा

सभी को केवल एक ही टारगेट...भाजपा का वोट बैंक बढ़ाना है और बूथ मजबूत करना है

भोपाल नप्र। एक साल पहले भाजपा ने 51 प्रतिशत वोट बैंक बढ़ाने का लक्ष्य लिया था, वो लक्ष्य अब विधानसभा के साथ-साथ लोकसभा चुनाव में पूरा किया जाना है। इसके लिए केन्द्रीय संगठन द्वारा 11 ऐसे स्मार्ट वर्क यानी काम की सूची तैयार की गई है, जिससे संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ बूथ तक मजबूती लाई जाएगी।

चार राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में 11 स्मार्ट वर्क का ट्रायल भी हो जाएगा और इसमें संशोधन की आवश्यकता हुई तो पार्टी इसमें संशोधन भी कर सकती है, फिलहाल जितने नेताओं को चुनावी कैम्पेन की जवाबदारी दी है, उन्हें इन्हीं 11 कामों पर आगे काम करने का बोला है। इसमें सबसे बड़ी बात बूथ को मजबूत करना है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार जो काम दिए गए हैं, इनकी मॉनीटरिंग संगठन के बड़े नेता भी कर रहे हैं और दिल्ली तथ भोपाल से भी नजर रखी जा रही है। अभी तक पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के साथ संगठन के विभिन्न अभियानों के माध्यम से लोगों में जा रही थी, लेकिन अब सीधा फोकस मतदाताओं पर रखना है। विशेषकर उन मतदाताओं या हितग्राहियों को जिन्होंने सरकार की योजना का लाभ लिया है। पूरी कवायद 51 प्रतिशत वोट बैंक प्राप्त करने के लिए रहेगी। पिछली सभी बैठकों में इसी बात को बार-बार दोहराया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की वार्षिक बैठक के औपचारिक सत्र की अध्यक्षता की।

संक्षिप्त समाचार

करणी सेना का भोपाल में होगा महापड़ाव लव और लैंड जिहाद कानून की करेंगे मांग

भोपाल नप्र। प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले क्षत्रिय करणी सेना ने सत्ता में भागीदारी की मांग शुरू कर दी है। इसे लेकर करणी सेना का 27 अगस्त को भोपाल में क्षत्रिय एकता महापड़ाव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग इन 12 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन देंगे। इसके साथ ही प्रदेश में लव जिहाद और लैंड जिहाद कानून, क्षत्रिय कल्याण बोर्ड बनाने की मांग भी की गई। इस महापड़ाव को लेकर सदस्य शहरों से लेकर गांव तक क्षत्रिय समाजजनों से संपर्क साध रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने समाजजनों को महापड़ाव की जानकारी दी। मप्र अध्यक्ष इंदल सिंह राणा ने बताया क्षत्रिय समाज ने आजादी के पहले से अभी तक देश के लिए कई बलिदान दिया है। आज भी दे रहे है। लेकिन सभी पार्टियों ने वोट के लिए केवल समाज का उपयोग किया है। यदि पार्टी केवल जातिगत समीकरण के आधार पर ही यदि महत्व देती है तो हमने अब गांव-गांव में समीकरण भी बना दिया है। अब हमारी मांग है कि जो राजनीतिक पार्टी हमारे क्षत्रिय समाज के लोगों को कम से कम 100 विधानसभाओं में टिकट देने को तैयार होगी। हम उन्हें ही अपना समर्थन देंगे।

10 साल से जेल में बंद कैदी होंगे रिहा एमपी हाईकोर्ट ने मांगी लिस्ट

भोपाल नप्र। मध्य प्रदेश के ग्वालियर सहित अन्य जिलों की जेलों में बंद कैदियों के लिए राहत की खबर है। दरअसल, एमपी हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच ने 10 साल से अधिक समय से जेल में बंद गंभीर रूप से बीमार कैदियों की लिस्ट मांगी है। इन कैदियों को विधि अनुसार इलाज के लिए जेल से रिहा किया जाएगा। अदालत ने कहा कि अपराध अपनी जगह, लेकिन मानवता भी देखना है, ताकि लोग जीवित रह सके। हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा ये मानव अधिकार, निजी स्वतंत्रता और गंभीर चिंता का विषय है। अपराध अपनी जगह है, लेकिन मानवता भी देखना है, ताकि लोग जीवित रह सकें। कानून की लगाई गई कुछ पाबंदियों के साथ अपराधियों को भी मान-सम्मान से जीवन जीने का अधिकार है। बता दें कि कुछ दिन पूर्व एक आरोपी की अपील पर सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि आरोपी को कीमोथैरेपी दी जा रही है। आरोपी ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए जमानत पर रिहा करने की गुहार लगाई थी। कोर्ट ने जब वीसी के माध्यम से आरोपी को देखा तो पता चला कि उसके गले में राइस ट्यूब डली हुई है। इसके चलते वह सही तरीके से भोजन भी नहीं कर पा रहा। इस पर कोर्ट ने आरोपी को एक साल के लिए जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

अगले सप्ताह पांचवीं-आठवीं की अंकसूची पहुंचेगी स्कूलों में

भोपाल नप्र। 2022-23 सत्र में बोर्ड पैटर्न पर पांचवीं-आठवीं कक्षा की परीक्षा करवाई गई। रिजल्ट आए दो महीने बीत चुके है। मगर विद्यार्थियों को अंकसूची नहीं मिली है। ऐसे में वह विद्यार्थी परेशान है, जिन्हें स्कूल बदलना है। अब इनकी समस्या को दूर करने के लिए राज्य शिक्षा केंद्र ने अगले पांच से सात दिनों के भीतर स्कूलों में अंकसूची भेजी जाएगी। ये काम केंद्र ने जिला परियोजना समन्वयक को दिया है। उधर केंद्र ने जल्द ही पूरक परीक्षा का परिणाम आएंगे। जल्दबाजी में केंद्र ने पांचवीं-आठवीं की बोर्ड परीक्षा करवाई और रिजल्ट निकाला। कई गड़बड़ियां सामने आई। कई स्कूलों का परिणाम भी शून्य बताया। सरकारी स्कूलों का रिजल्ट का प्रतिशत निजी स्कूलों की तुलना में बेहतर रहा। स्कूलों संचालकों ने आपत्ति दर्ज की। इसके चलते विद्यार्थियों की अंकसूची रोक दी गई। तत्काल रिजल्ट में सुधार को लेकर निर्देश दिए। यहां तक कि विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन करवाया। आनन-फानन में विद्यार्थियों का रिजल्ट संशोधित कर दिया, लेकिन अभी तक अंकसूची स्कूलों को नहीं भेजी है। राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों के मुताबिक जून में पूरक परीक्षा करवाई है। उसकी कापियां भी जांची गई है। अब पूरक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया जाएगा। बाद में मुख्य और पूरक परीक्षा वाले विद्यार्थियों की अंकसूची साथ-साथ जारी करेंगे। विद्यार्थियों के मार्क्स को अपलोड करने के लिए कहा गया है।

चुनावी साल में एक बार फिर तबादलों पर से हट सकती है रोक

भोपाल नप्र। चुनावी साल में सरकार ने विधायकों की मांग पर 15 जून से 7 जुलाई तक प्रदेश में तबादलों पर से बैन हटा दिया था। लेकिन पहले 15 और बाद में 7 दिन यानी कुल 22 दिन में भी माननीय अपनी पसंद के अफसरों की मैदानी पदस्थापना नहीं कर पाए हैं। इस साल मंत्रियों व विधायकों को उम्मीद थी कि कम से कम 15 दिन के लिए राज्य स्तर पर तबादलों से प्रतिबंध हटाया जाएगा, दरअसल, सरकार ने हालही में तबादलों पर से जो प्रतिबंध हटाया था, वह जिलों के अंदर के लिए था। ऐसे में माननीय अपनी पसंद के अफसरों को दूसरे जिले से नहीं ला पाए। ऐसे में उनकी मांग है कि सरकार एक बार और तबादलों पर से बैन हटा दे तो वे अपनी जमावट कर सकते हैं। सूत्रों का कहना है की विधायकों की मांग को देखते हुए सरकार जल्द ही 15 दिन के लिए एक बार फिर तबादलों पर से रोक हटा सकती है। गौरतलब है कि पिछले साल भी 17 सितंबर से 5 अक्टूबर तक तबादले हुए थे। वहीं 2021 में 1 जुलाई से 31 जुलाई के बीच तबादलों से बैन हटाया गया था। गौरतलब है की एक तरफ सरकार चुनाव आयोग के निर्देशानुसार एक ही स्थान पर तीन साल से पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों की पदस्थापना कर रही है, वहीं विधायक चाहते हैं कि जिलों में उनकी पसंद पर तबादलें हो।

राजधानी में दो हजार से अधिक इमारतें जर्जर सात सालो दी जा रही है चेतावनी, कोई असर नहीं

भोपाल नप्र। 'नगर पालिका निगम अधिनियम 1954 की धारा 310 के तहत आपका भवन अति जर्जर और भयप्रद घोषित किया जाता है। अतः आपको अंतिम पत्र (नोटिस) जारी कर सूचित किया जाता है कि सात दिवस के भीतर जर्जर भवन को स्वयं ही ढहाएं। वरना निगम अमला दी गई मोहलत खत्म होने के बाद मकान को ढहा देगा।' यह नगर निगम के उस नोटिस का मजमून है, जो बरसात से पहले हर साल शहर के दो हजार जर्जर मकानों के मालिकों को जारी करता है। लेकिन अब तक वो सात दिन की मोहलत पूरी नहीं हुई, जो निगम मकान मालिकों को देता आ रहा है। क्योंकि अब तक निगम ने नोटिस जारी करने के बाद किसी भी मकान को तब तक नहीं ढहाया, जब तक कोई हादसा नहीं हुआ। बता दें कि निगम के आंकड़ों के मुताबिक शहर में खतरनाक इमारतों की संख्या पांच हजार से अधिक है। इनमें से दो हजार इमारतें ऐसी हैं, जिन्हें निगम अति जर्जर और खतरनाक मानता है। खतरनाक मकानों की सूची निगम ने आठ साल पहले बनाई थी, तब से लगातार हर साल बरसात से पहले निगम इन मकानों में रहने वालों को नोटिस जारी किया जाता है। लेकिन कार्रवाई नहीं होती है। निगम अफसर बताते हैं कि जर्जर भवनों में से 90 फीसदी में लोग रहते हैं। इनमें 60 फीसदी राजनीतिक रसूख और 40 फीसदी भवन संपत्ति विवाद के चलते मामला कोर्ट में लंबित होने की वजह से नहीं तोड़े जा सके हैं। पिछले वर्ष ऐशबाग स्थित जनता क्वार्टर के 600 मकानों को गिराने का नोटिस भेजा गया था, लेकिन जब अतिक्रमण अमले की टीम इन मकानों को गिराने पहुंची तो रहवासियों ने विरोध शुरु कर दिया।

यहां हैं खतरनाक इमारतें: खस्ताहाल इमारतें यूं तो पूरे शहर में हैं, लेकिन इनकी तादाद पुराने शहर में ज्यादा है। यहां ऐसी कई इमारतें हैं जो 100 साल से भी ज्यादा पुरानी हैं। इनमें पीर गेट, जुमेराती, हमीदिया रोड, चौक बाजार, इकबाल मैदान, इमामी गेट इलाके में ऐसी इमारतें जर्जर हालत में खड़ीं हैं। जो बारिश में कभी भी भरभरा कर ढह सकती हैं। खतरा इसलिए ज्यादा है कि यह इमारतें जिन इलाकों में हैं वहां हमेशा भीड़भाड़ रहती है।

हर जोन में 15 मकान जर्जर: हर जोन में 15 से 20 भवन ऐसे हैं, जो जर्जर हैं। सबसे ज्यादा जर्जर भवन पुराने शहर के जोन 2, 3, 4 व 5 में हैं। यहां नवाबी दौर की इमारतें हैं या फिर हाउसिंग बोर्ड और निगम के भवन हैं, जो इतने जर्जर हैं कि कभी भी भरभरा कर गिर सकते हैं।

अब चीता पवन और चीता गौरव भी घायल, कूनो पार्क में हो रहा उपचार

भोपाल नप्र। कूनो नेशनल पार्क में चार दिनों में दो वयस्क चीतों (तेजस और सूरज) की मौत के बाद चीता परियोजना पर सवाल उठ रहे हैं। इस दौरान नर चीता पवन और गौरव भी घायल बताए जा रहे हैं। उनकी गर्दन पर भी घाव हैं। पवन को तो टैंकुलाइज कर पार्क लाकर उपचार किया जा रहा है। चीतों के गर्दन पर घाव का मुख्य कारण आइडी कालर बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि उसी की रगड़ से घाव हुए हैं, वर्षा का मौसम होने के कारण संक्रमण बढ़ गया है। उधर, प्रदेश के मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक जेएस चौहान कूनो पहुंच गए हैं। वे चीतों की मौत की समीक्षा करेंगे। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 20 चीतों में से अब तक पांच और भारत में जन्मे चार में से तीन शावकों की मौत हो चुकी है। पार्क प्रबंधन शावक और दो वयस्क चीतों की मौत प्राकृतिक एवं मादा चीता दक्षा, नर चीता तेजस और सूरज की मौत का कारण आपसी संघर्ष बता रहा है पर स्थिति कुछ और ही है। चीता सूरज की मौत गले में घाव होने से हुई है, जो आइडी कालर की रगड़ से हो सकता है। वर्षाकाल के कारण संक्रमण तेजी से फैल गया। हालांकि पार्क के संचालक पीके वर्मा इसे मानने से मना कर रहे हैं। वे कहते हैं कि पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। वर्षा के कारण खुले जंगल में घूम रहे चीतों की लोकेशन ट्रेस करना भी मुश्किल हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा- प्रियंका गांधी के ग्वालियर आने से कुछ नहीं होगा, इस बार चंबल-अंचल में होगा अप्रत्याशित परिवर्तन

भोपाल नप्र। ग्वालियर पहुंचे केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रियंका गांधी के ग्वालियर दौरे को भाजपा में कील ठोंकना बताने वाली कांग्रेस के बयान पर कहा कि प्रियंका गांधी कांग्रेसी कार्यकर्ता हैं वो नई नहीं है। ये पहले भी कांग्रेस में कार्यकर्ता थी, जब हम कांग्रेस को खत्म कर चुके है। प्रियंका गांधी के आगमन से कुछ भी नहीं होने वाला है।

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार फिर से स्पष्ट बहुमत लेकर बनेगी। विधानसभा चुनाव में ग्वालियर चंबल अंचल के साथ सिंधिया की भूमिका पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस बार ग्वालियर चंबल अंचल में अप्रत्याशित परिवर्तन होगा। अधिकांश सीटों पर बीजेपी जीतेगी। सिंधिया जी पार्टी के नेता हैं उनकी पूरी भूमिका रहेगी। वहीं कूनो पार्क में चीतों की हो रही मौत पर कहा कि चीता परियोजना हमारे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित योजना है। इस प्रोजेक्ट के कारण ही इलाके में पर्यटन उद्योग बढने वाला है।

कई बार परिस्थितियां ऐसी रहती है कि जिस कारण लाए गए प्राणी को जलवायु सूट नहीं करता है। जिसके चलते दिक्कत होती है। लेकिन संबंधित वन विभाग के लोग हैं, वो पूरी तरह से उस व्यवस्था को संज्ञान में लिए हुए हैं। जो भी प्रयत्न किया जा सकता है वह वन्य प्राणी विशेषज्ञ और विभाग कर रहा है।

विपक्षियों का गठबंधन नहीं ठगबंधन

बेंगलुरू में विपक्षियों की बैठक को लेकर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि विपक्षियों का जो गठबंधन है ये ठगबंधन है। जनता को गुमराह करने वाला ठगबंधन है। जिस गठबंधन का कोई उद्देश नहीं होता है, कोई मुद्दा नहीं होता है, ये वो ही गठबंधन है। ये सभी मोदी जी की लोकप्रियता से घबराकर एक डाल पर बैठने की कोशिश कर रहे हैं। जो डाल चुनाव आते-आते गिर जाएगी। आदिवासियों पर हो रही राजनीति पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कांग्रेस चाहे तो 2003 से पहले और 2003 के बाद की तस्वीर देख ले। कांग्रेस ने 2003 से पहले आदिवासियों के लिए क्या किया और 2003 के बाद बीजेपी ने क्या किया, देख ले। इस मामले पर कांग्रेस हमसे खुली बहस कर सकती है।

आदिवासी सीटों पर जीत...यानी सत्ता पर कब्जे की चाबी

विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस का पूरा फोकस आदिवासियों पर

भोपाल नप्र। चुनावी साल में भाजपा और कांग्रेस ने अपना पूरा फोकस आदिवासी सीटों पर किया है। इसकी वजह यह है कि प्रदेश में यह माना जाता है कि जिसने आदिवासी सीटों को जीत लिया उसकी सरकार बननी तय है। मप्र में कुल आबादी का 21.09 प्रतिशत आदिवासी हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों का फोकस इनके लिए आरक्षित 47 सीटों पर है। 2003 के विधानसभा चुनाव में 41 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थी, जिसमें भाजपा ने 37 जीती और सत्ता पर काबिज हुई। 2008 में जनजाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 47 हो गई। भाजपा ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की और सत्ता में वापसी हुई। कांग्रेस को 17 सीटें मिली और 1 पर निर्दलीय जीता। 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 47 में से 31 सीटें जीती और तीसरी बार सत्ता में वापसी हुई, कांग्रेस को 15 सीटें मिल पाई। 2018 में कांग्रेस ने आदिवासियों के लिए आरक्षित 30 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की और सरकार बनाई। भाजपा को 16 सीटों पर जीत मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 दिन पहले पूर्वी मध्यप्रदेश के शहडोल में पकरिया पहुंचे और खाट पंचायत में आदिवासियों (गोंड और कोल) से सीधे बातचीत की। भाजपा का दावा है कि इससे 12 जिलों की 26 विधानसभा सीटों में निवासरत 92 फीसदी आदिवासियों तक भाजपा की पहुंच हुई है, जिसका फायदा चुनाव में मिलेगा।

पहले यह कार्यक्रम धार जिले में होना था जिसे बदलकर शहडोल किया गया। इधर, कांग्रेस भी अगस्त में प्रदेश के पश्चिमी छोर पर स्थित धार जिले में राहुल गांधी की सभा करवाने जा रही है। सभा के लिए सरदारपुर विधानसभा में आने वाले श्वेतांबर जैन तीर्थ स्थल राजगढ़-मोहनखेड़ा का चयन किया गया है। सोनिया, राहुल और प्रियंका पूर्व में यहां आकर आशीर्वाद ले चुके हैं।

खरगोन और रतलाम में भी सभा का प्रस्ताव

इसके बाद अगस्त में ही राहुल की अगली सभा शहडोल के ब्योहारी में कराए जाने का प्रस्ताव है। इस बारे में पीसीसी से प्रस्ताव एआईसीसी को भाजपा जा रहा है । इन दोनों सभाओं के जरिए कांग्रेस का फोकस सात संभागों के 20 जिलों में 89 आदिवासी बहुल ब्लॉक तक पहुंचना है। इन सभाओं के जरिए 1 करोड़ 20 लाख वोटर में से भी बड़ी संख्या को अपने पक्ष में करना है। अगस्त-सितंबर में राहुल खरगोन और फिर रतलाम (सैलाना) में पहुंचेंगे।

मालवा-निमाड़ और विंध्य-महाकौशल पर नजर

मालवा-निमाड़ के आदिवासी बहुल 20 सीटों में 14 कांग्रेस, 6 भाजपा के पास मोहनखेड़ा में सभा और रोड-शो से कांग्रेस मालवा- निमाड़ के खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, रतलाम तक पहुंचना चाहती है। इन जिलों की 20 सीटें भील-भिलाला बहुल हैं। इनमें भीकनगांव, भगवानपुरा, सेंधवा, राजपुर, पानसेमल, झाबुआ, थांदला, पेटलाबद, सरदारपुर, गंधवानी, कुक्षी, मनावर, धरमपुरी, सैलाना से कांग्रेस के विधायक हैं। 6 सीटें हरसूद, पंधाना, नेपागनगर, अलीराजपुर, जोबट, रतलाम ग्रामीण भाजपा के पास हैं। वहीं विंध्य-महाकौशल के 26 सीटों में से 14 कांग्रेस, 12 भाजपा जीती थी- शहडोल के ब्योहारी से राहुल 12 जिलों की 26 आदिवासी सीटों तक पहुंचेंगे। विंध्य-महाकौशल में कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव (2018) में 14 सीटें शहपुरा, डिंडोरी, पुष्पराजगढ़, मंडला, बिछिया, निवास, बैहर, बरघाट, लखनादौन, जुन्नारदेव, अमरवाड़ा, पांढुणा, घोड़ाडोंगरी और भैंसदेही जीती थी। 12 सीटें चितरंगी, धौहनी, ब्यौहारी, जयसिंहनगर, जैतपुर, अनूपपुर, बांधवगढ़, मानपुर, बड़वारा, सिहोरा, मंडला और टिमरनी भाजपा के पास है।

विश्व कप के रोडमैप पर बनेगी रणनीति

कैरेबियाई दौरे पर राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा से मिलेंगे अजीत अगरकर, वनडे वर्ल्ड कप और जसप्रीत बुमराह पर होगी चर्चा

भारतीय क्रिकेट टीम से सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा से मिलने के लिए कैरेबियाई दौरे जाएंगे। इस दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर भी चर्चा होगी भारत वर्ल्ड कप में अपना पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। टीम इंडिया को पिछले 10 साल से आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का इंतजार है। राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा के कार्यकाल में टीम इंडिया दो बार यह मौका गंवा चुकी है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई से बताया, ह्वफिलहाल सलिल अंकोला कैरेबियाई दौरे पर हैं ,लेकिन टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद वह वापस आ जाएंगे। अजीत व्हाइट बॉल लेग शुरू होने से पहले टीम से जुड़ जाएंगे।ह्व माना जा है कि अगरकर को चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किये जाने के बाद टीम प्रबंधन से व्यक्तिगत रूप से मिलने का मौका नहीं मिला है। 50 ओवर के विश्व कप के लिए भारत की आगे की रणनीति क्या होगी, इस पर एक विस्तृत खाका तैयार करने का अवसर होगा।

ट्रांजिशन प्लान पर भी चर्चा होगी

टीम प्रबंधन और चयन समिति को फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट के अलावा विश्व कप के लिए जिन प्रमुख 20 खिलाड़ियों पर विचार करना है, उनके बारे में तालमेल बिठाने की जरूरत है। चयनकताओं के अध्यक्ष और टीम प्रबंधन के बीच ट्रांजिशन प्लान पर भी चर्चा होगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में जसप्रीत बुमराह की फिटनेस और क्या वह तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड जा पाएंगे या नहीं, इस पर विस्तृत चर्चा होगी।

जसप्रीत बुमराह को रिटर्न टू प्ले सर्टिफिकेट का इंतजार

नेशनल क्रिकेट एकेडमी (ठउअ) की स्पोर्टड साइंस एंड मेडिकल यूनिट ने अभी तक जसप्रीत बुमराह को रिटर्न टू प्ले (फ्ळढ) सर्टिफिकेट जारी नहीं किया है। इस बीच वीवीएस लक्ष्मण एक बार फिर बी टीम के साथ आयरलैंड जाएंगे। द्रविड़ को आराम दिया जाएगा है क्योंकि वेस्टइंडीज सीरीज और आयरलैंड दौरे के बीच काफी कम समय होगा। ऐसे कोई नियम नहीं हैं, लेकिन बीसीसीआई में परंपरा यह है कि बी टीम के दौरों या ए सीरीज के लिए एनसीए प्रमुख को कोच नियुक्त किया जाता है। पहले द्रविड़ ऐसा करते थे और अब लक्ष्मण ऐसा करते हैं।

रेपिड न्यूज

रविचंद्रन अश्विन बल्लेबाजों के दिमाग से खेलते हैं: अनिल कुंबले

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ डोमिनिका में खेले गए पहले टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन (12-131) ने 8वीं बार दस विकेट लेने का कारनामा किया और अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा दस विकेट लेने वाले भारतीय बन गए। वह कुंबले के बाद टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। कुंबले ने 35 बार टेस्ट में 5 विकेट लिए हैं, जबकि अश्विन ने 34 बार यह कारनामा किया है। टेस्ट में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अनिल कुंबले ने अश्विन की तारीफ करते हुए कहा कि वह बल्लेबाजों के दिमाग से खेलते हैं। कुंबले ने कहा,"यह सिर्फ आपके पास मौजूद कौशल के बारे में नहीं है। यह बल्लेबाज पर दबाव स्थानांतरित करने की क्षमता भी है जिसे आप आर अश्विन का सामना करने वाले प्रत्येक बल्लेबाज में देख सकते हैं, आप इसे उनकी शारीरिक भाषा में देख सकते हैं।" कुंबले ने कहा कि घरेलू टीम के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अश्विन ने क्रीज का बेहतरीन इस्तेमाल किया, खासकर जिस तरह से उन्होंने सलामी बल्लेबाज तेगनारायन चंद्रपॉल को आउट किया। उन्होंने कहा, "उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाज के पास आते हुए क्रीज से बाहर वाइड गेंदबाजी की। एक बार बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सोचा कि गेंदें अंदर आएंगी, तभी अश्विन ने चंद्रपॉल को वह खूबसूरत गेंद फेंकी जो उनके पास से निकल गई ।

डीडी स्पोर्ट्स ने हासिल किया फीफा महिला विश्व कप 2023 का प्रसारण अधिकार

मुंबई। डीडी स्पोर्ट्स ने 20 जुलाई, 2023 से शुरू होने वाले बहुप्रतीक्षित फीफा महिला विश्व कप 2023 के लिए भारत में टेलीविजन प्रसारण अधिकार हासिल कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। खेल और मीडिया अधिकारों की दुनिया में तकनीकी प्रगति में विशेषज्ञता रखने वाली एक प्रमुख अमेरिकी-आधारित कंपनी 1स्टेडिया द्वारा रणनीतिक उप-लाइसेंसिंग के सौजन्य से, इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को अब पूरे भारत में लाखों घरों में दिखाया जाएगा। प्रसार भारती के सीईओ, गौरव द्विवेदी आईएएस ने कहा, "हमें फीफा महिला विश्व कप 2023 के लिए टेलीविजन प्रसारण अधिकार हासिल करने पर खुशी है। यह प्रतिष्ठित टूनामेंट न केवल फुटबॉल में महिलाओं की अपार प्रतिभा और समर्पण को प्रदर्शित करता है, बल्कि एक कार्यक्रम के रूप में अगली पीढ़ी के एथलीटों को प्रेरित करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करता है। हमें इस प्रयास में 1स्टेडिया के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, क्योंकि वे खेल को बढ़ावा देने और प्रशंसकों के बीच खेल के प्रति प्यार को बढ़ावा देने के हमारे जुनून को साझा करते हैं।" 1स्टेडिया के सीईओ और सह-संस्थापक संगीत शिरोडकर ने कहा, "हमारा मिशन दुनिया के सबसे आकर्षक खेल आयोजनों को हर जगह प्रशंसकों के लिए सुलभ बनाना है। हम फीफा महिला विश्व कप 2023 के लिए डीडी स्पोर्ट्स के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। यह टूनामेंट प्रतिभा, समर्पण और खेल कौशल के एक असाधारण उत्सव का प्रतिनिधित्व करता है। इस साझेदारी के माध्यम से, हम सकारात्मक बदलाव लाने, खेल में महिलाओं को सशक्त बनाने और लाखों प्रशंसकों को अपनी पसंदीदा टीमों के पीछे एकजुट होने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" बता दें कि भारतीय फुटबॉल प्रेमी टूनामेंट के हर रोमांचक पल के गवाह बनेंगे, क्योंकि डीडी स्पोर्ट्स चैनल देश भर के सभी घरों में उपलब्ध है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हर किसी की इस प्रीमियम खेल आयोजन तक पहुंच हो। फीफा महिला विश्व कप 2023 जिसमें 32 टीमें शामिल हैं, 20 जुलाई, 2023 को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में शुरू होने वाला है। मौजूदा विश्व चैंपियन संयुक्त राज्य अमेरिका है।

इंडिया-ए एमर्जिंग एशिया कप के सेमीफाइनल में

नेपाल की टीम को 9 विकेट से हराया साई सुदर्शन और अभिषेक के अर्धशतक

कोलंबो। इंडिया-ए ने एमर्जिंग एशिया कप के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। टीम ने नेपाल को 9 विकेट से हराया। यह टीम इंडिया-ए की टूनामेंट में लगातार दूसरी जीत है। इस जीत के बाद भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला 19 जुलाई को कोलंबो में पाकिस्तान के साथ होगा। इंडिया-ए की जीत में साई सुदर्शन और अभिषेक शर्मा ने अहम योगदान दिया। दोनों ने फिफ्टी जमाई। लंबो में सोमवार को नेपाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम 39.2 ओवर में 167 रन पर ऑलआउट हो गई। 168 रनों का टारगेट भारतीय टीम ने 22.1 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। 168 रनों का टारगेट चेज करने उतरे ओपनर्स ने भारतीय टीम को शानदार शुरूआत दिलाई। साई सुदर्शन और अभिषेक शर्मा ने अर्धशतक जमाए। सुदर्शन ने 58 और अभिषेक ने 87 रनों का योगदान दिया। दोनों के बीच 114 बॉल पर 139 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई। अभिषेक के आउट होने के बाद खेलने उतरे ध्रुव जुरेल ने 21 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। नेपाल को इकलौता विकेट रोहित पौदेल ने दिलाया। नेपाली के कप्तान रोहित पौदेल ने अर्धशतकीय पारी खेली। वे 65 रन बनाकर आउट हुए। गुलसान ने 38 रन बनाए। 7 बैटर डबल डिजिट में भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से निशांत सिंधू को 4 विकेट और राजवर्धन हेंगरगेकर को 3 सफलताएं मिलीं। हर्षित राणा को 2 और मानव सुथार को एक विकेट मिला।

बृजभूषण शरण सिंह को फौरी राहत! कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को राउज एवेन्यू कोर्ट से राहत मिल गई है। समन मिलने के बाद मंगलवार (18 जुलाई) कोर्ट में पेश हुए बृजभूषण शरण सिंह को 25 हजार रुपए के निजी मुचलके पर अंतरिम जमानत मिल गई। इस मामले में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी। कोर्ट ने बृजभूषण के अलावा डब्ल्यूएफआई के निलंबित सचिव विनोद तोमर को भी गुरुवार तक अंतरिम जमानत दी है। बृजभूषण सिंह के वकील ने मीडिया ट्रायल का आरोप लगाया। इस पर अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने कहा कि वह उच्च न्यायालय या ट्रायल कोर्ट के समक्ष याचिका दाखिल कर सकते हैं। अदालत अर्जी पर उचित आदेश पारित करेगी। हालांकि, वकील ने इस संबंध में कोई अर्जी दाखिल नहीं की। ओलंपियन विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया समेत देश के कई शीर्ष पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर धरना दिया था। बृजभूषण सिंह 6 महिला पहलवानों ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं।

विशेष गोलकीपिंग शिविर हमारी तैयारियों के लिए वरदान है : पीआर श्रीजेश

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने आगामी 100वीं वर्षगांठ स्पेनिश हॉकी फेडरेशन-इंटरनेशनल टूनामेंट और हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के लिए टीम की तैयारियों के बारे में बात की। स्पेन की 100वीं वर्षगांठ आयोजित स्पेनिश हॉकी फेडरेशन-अंतरराष्ट्रीय टूनामेंट में, भारत का सामना इंग्लैंड, नीदरलैंड और स्पेन से होगा।

हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के लिए, भारत एकल राउंड-रॉबिन प्रारूप में चीन, कोरिया, जापान, पाकिस्तान और मलेशिया से भिड़ेगा। श्रीजेश का मानना है कि नीदरलैंड के डेनिस वान डी पोल के साथ नियमित गोलकीपिंग शिविर बड़े आयोजनों से पहले समस्याओं को दूर करने में वरदान साबित हुआ है। गोलकीपिंग कोच डेनिस 13 जुलाई से 19 जुलाई तक भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ विशेष शिविर का आयोजन कर रहे हैं। इसके बाद वह हांग्जो एशियाई खेल 2023 से पहले 7 सितंबर से 14 सितंबर तक एक और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करेंगे। डेनिस के साथ मिलकर काम करने के बारे में श्रीजेश ने कहा, "डेनिस वैन डे पोल एक शानदार कोच हैं। उनके अनुभव और क्षमता वाले किसी व्यक्ति के साथ मिलकर काम करना निश्चित रूप से उपयोगी रहा है। हमारे पास आगे महत्वपूर्ण टूनामेंट होने वाले हैं और मेरा मानना है कि हमने यहां उनके समय का अच्छा उपयोग किया है। खासकर युवा गोलकीपरों के लिए उनकी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और कोचिंग कौशल ने निश्चित रूप से मदद की है। हमने पीसी डिफेंस, पेनल्टी शूटआउट और सबसे महत्वपूर्ण हमारे फुटवर्क सहित विभिन्न अभ्यासों पर काम किया है।" श्रीजेश ने कहा, "फिलहाल, मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से, मेरा तत्काल ध्यान 100वीं वर्षगांठ स्पेनिश हॉकी फेडरेशन- अंतरराष्ट्रीय टूनामेंट पर है, जहां हम जो कुछ भी करना चाहते हैं उसे निष्पादित करना चाहेंगे, हमने शिविर में अभ्यास किया है और हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 एक मंच होगा यह देखने के लिए कि सितंबर में महत्वपूर्ण एशियाई खेलों से पहले हम कहां खड़े हैं।" हॉकी प्रशंसक भी 16 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद चेन्नई में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी से खुश हैं।

वेस्टइंडीज ने त्रिनिदाद टेस्ट के लिए टीम घोषित की,केविन सिंक्लेयर को मिला मौका,रीफर बाहर

त्रिनिदाद। भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए वेस्टइंडीज नेऑफस्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर केविन सिंक्लेयर को टीम में शामिल किया है,जिनका यह पहला टेस्ट मैच होगा। वेस्टइंडीज को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में तीन दिनों के अंदर ही करारी हार का सामना करना पड़ा था। सिंक्लेयर ने 13 सदस्यीय टीम में रेमन रीफर की जगह ली है। गुयाना के 23 वर्षीय खिलाड़ी सिंक्लेयर का प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड अच्छा है, जहां उन्होंने 18 मैचों में 23.98 के औसत से 54 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 33 रन देकर 6 विकेट है। उन्होंने 756 रन भी बनाए हैं, जिसमें छह अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने इस साल की शुरूआत में बांग्लादेश ए के खिलाफ चार दिवसीय मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया और तीन मैचों की श्रृंखला में 25.69 के औसत से 13 विकेट लेकर अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं, जिसमें वेस्टइंडीज ए ने 1-0 से जीत हासिल की। उन्होंने 49.66 की औसत और 60 के सर्वश्रेष्ठ औसत के साथ 149 रन भी बनाए। सिंक्लेयर ने अब तक वेस्टइंडीज के लिए सात वनडे और छह टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने दोनों प्रारूपों में क्रमशः 11 और चार विकेट लिए हैं। वह हाल ही में जिम्बाब्वे में एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर का हिस्सा थे।

वैश्विक ऋण संबंधी समस्याओं से निपटने के तरीकों पर हुई चर्चा

वित्त मंत्री सीतारमण ने चीन के वित्त मंत्री लियू कुन से मुलाकात की

गांधीनगर/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चीन के वित्त मंत्री लियू कुन से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) को मजबूत करने तथा वैश्विक ऋण संबंधी समस्याओं से निपटने के तरीकों पर चर्चा की। गांधीनगर (गुजरात) में चल रही एफएमसीबीजी की दो दिवसीय बैठक के आज आखिरी दिन जी-20 के वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की तीसरी बैठक से इतर यहां दोनों मंत्रियों ने मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं, मुद्रास्फीति, व्यापार की स्थिति पर चर्चा की। इसके साथ ही आर्थिक वृद्धि एवं विकास के लिए एक बेहतर कारोबारी वातावरण बनाने पर जोर दिया। सीतारमण ने चीन के अपने समकक्ष से मुलाकात के दौरान जी-20 अध्यक्षता के तहत किए जा सकने वाले कार्यों पर चर्चा की। चीन के वित्त मंत्री लियू कुन ने जी-20 में भारत के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि अभी तक इसमें काफी कुछ हासिल किया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान सतत वित्त कार्य-समूह के सह-अध्यक्ष के रूप में चीन के प्रयासों की भी सराहना की।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को बताया गलत

गौतम अडाणी का आरोप- हिंडनबर्ग रिपोर्ट से हुई हमारी छवि खराब करने की कोशिश

नई दिल्ली। अडाणी समूह के गौतम अडाणी ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट गलत और निराधार है। यह रिपोर्ट जानबूझकर हमारी छवि खराब करने और समूह को बदनाम करने के लिए लगाए गए थे। उन्होंने समूह की कंपनियों की आम सभा (एजीएम) को वर्चुअली संबोधित करते हुए ये बात कही। हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर अडाणी ने कहा कि 'हिंडनबर्ग रिपोर्ट भ्रामक और निराधार आरोपों पर आधारित थी। रिपोर्ट में लगाए गए आरोप 2004 से 2015 के बीच के थे। उस समय संबंधित अथॉरिटी ने उन्हें सही कर लिया था। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट हमारी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण प्रयास था। गौतम अडानी ने कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। साल 2030 तक तीसरी और 2050 तक भारत की इकोनॉमी विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। इसके लिए केंद्र में स्थाई सरकार होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें देश के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का पूरा भरोसा है। अडाणी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी क्रेडिट एजेंसी ने अडाणी समूह की रेटिंग में कोई कटौती नहीं की है। उल्लेखनीय है कि इस साल 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी समूह को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में समूह पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे।

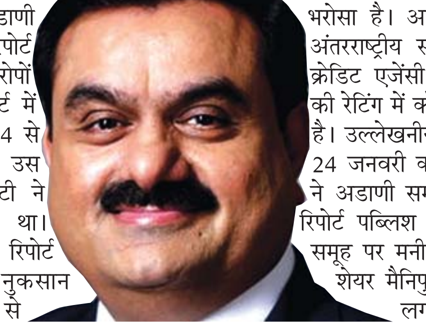

ग्लोबल मार्केट के मिले-जुले संकेत

शेयर बाजार में तेजी का रिकॉर्ड, नए ऑल टाइम हाई पर सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट के मिले-जुले संकेत और एशियाई बाजारों में दबाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला आज भी जारी है। घरेलू शेयर बाजार ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए कारोबार की शुरूआत की। शुरूआती कारोबार में ही दोनों सूचकांकों ने तेज उछाल के साथ मजबूती का एक और नया रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद मुनाफावसूली का दबाव बन जाने की वजह से दोनों सूचकांक ऊपरी स्तर से नीचे आ गए। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। घरेलू शेयर बाजार में आज लगातार चौथे कारोबारी दिन भी रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला जारी रहा। पहले 1 घंटे के कारोबार में ही शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई ओपनिंग और ऑल टाइम हाई लेवल का रिकॉर्ड बना दिया। शुरूआती कारोबार में ही सेंसेक्स उछलकर 67 हजार अंक के स्तर के काफी करीब पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी ने भी उछल कर 19,800 अंक के स्तर को पार कर लिया। लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू कर देने की वजह से दोनों सूचकांक सर्वोच्च शिखर से फिसल कर थोड़ा नीचे आ गए। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस, एक्सिस बैंक, अडाणी इंटरप्राइजेज, आईसीआईसीआई बैंक और बीपीसीएल के शेयर 1.22 प्रतिशत से लेकर 1 प्रतिशत तक की तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे।

जिले के पुष्पराजगढ़ एसडीएम तथा डिप्टी कलेक्टर भी हुए सम्मानित

अनूपपुर कलेक्टर को राष्ट्रपति ने भूमि सम्मान से किया सम्मानित

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

भू- अभिलेखों के डिजिटलीकरण के लिए अनूपपुर जिले के कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ तथा एसडीएम पुष्पराजगढ़ श्री विवेक केवी व डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख श्री दीपक पांडेय को माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपति मुर्मू के कर कमलों से मंगलवार 18 जुलाई को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भूमि सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) के अंतर्गत मुख्य घटकों के लिए संपूर्णता प्राप्त करने में अनूपपुर जिले द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है भूमि सम्मान योजना विश्वास और साझेदारी पर आधारित केंद्र, राज्य का एक अच्छा उदाहरण है क्योंकि भूमि अभिलेखों के कंप्यूटरीकरण एवं डिजिटलीकरण की श्रेणी प्रणाली मुख्य रूप से राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की रिपोर्ट और इनपुट पर आधारित होती है इससे भूमि रिकॉर्ड और पंजीकरण की डिजिटलीकरण प्रक्रिया से भूमि विवादों से जुड़े लंबित अदालती मामलों को बड़े पैमाने पर कम करने में मदद मिलेगी इससे भूमि विवादों से जुड़े मुकदमे के कारण रुकी हुई परियोजनाओं की वजह से देश की अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद से होने वाले नुकसान में भी कमी आएगी कृषि और किसान कल्याण, रसायन उर्वरक, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), पंचायती राज और वित्तीय संसाधन आदि केंद्र और राज्य सरकार के विभागों के कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न सेवाओं और लाभो की प्रभावशीलता और दक्षता को बढ़ाने में भूमि रिकॉर्ड से संबंधित जानकारी बहुत उपयोगी और प्रभावी हो सकती है

बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक का दौरा

लाइन ट्रिप की समस्या को पूरी तरह से दूर करने का दिया निर्देश

फतवा समाचार ◈ शहडोल

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक अचानक शहडोल दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित किया। उन्होंने जिले के अधिकारियों से कहा कि बिजली उपलब्ध कराने वाली लाइनों में ट्रिपिंग की समस्या नहीं होनी चाहिए। इसे कम करिए। बैठक में सख्त निर्देश दिए कि प्रत्येक ट्रिपिंग की बारीकी से समीक्षा की जानी चाहिए और टावर की अर्थिंग सुदृढ़ की जानी चाहिए, ताकि किसी भी बिजली अवरोध की स्थिति से बचा जा सके। प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने विभाग की कॉलोनी में बने हुए स्टाफ के क्वार्टर के संधारण पर विशेष बल दिया और कहा कि छोटे कर्मचारी का क्वार्टर भी उतना ही अच्छा मेंटेन होना चाहिए जितना कि किसी बड़े अधिकारी का किया जाता है। इस क्षेत्र में विभाग की विभिन्न सामग्रियों की सुरक्षा हेतु भी उन्होंने समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। प्रबंध संचालक ने इसके बाद अनूपपुर और कोतमा उपकेंद्रों का भी औचक निरीक्षण किया जहां उन्होंने अमरकंटक थर्मल पावर स्टेशन से निकलने वाली लाइनों के विस्थापन संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इंजीनियर तिवारी ने शहडोल क्षेत्र के कार्यालयों का भी निरीक्षण करते हुए कार्यालयों को अच्छी प्रकार से संधारित करने का निर्देश दिया।

साप्ताहिक जनसुनवाई में 86 आवेदकों ने प्रस्तुत किए आवेदन

जिपं. सीईओ सहित अधिकारियों ने सुनी समस्याएं, दिए निराकरण के निर्देश

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित हुई साप्ताहिक जनसुनवाई

आम जन की समस्याओं के निराकरण के तहत कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनसुनवाई में 86 लोगों ने अपने आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा उनके आवेदनों पर आवश?यक कार्यवाही सुनिश्चित की। उल्लेखनीय है कि आम जन की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार को राज्य शासन के दिशानिदेर्शानुसार कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें जिलेभर के लोग अपनी समस्याओं को आवेदन के साथ प्रस्तुत करते हैं। जनसुनवाई में मौके पर ही कार्यवाही होने से आम जनों में सुनवाई के प्रति भरोसा कायम हुआ है।

आज जनसुनवाई में ग्राम देवरी पोस्ट लमसरई की श्रीमती सहमतिया बाई नेताम ने पति के सर्विस बुक में नाम दर्ज कराने, ग्राम धनगवां (पूर्वी) तहसील जैतहरी के आशुतोष सिंह राठौर ने ड्राईविंग लाईसेंस बनाए जाने, जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत सोहीबेलहा के उप सरपंच तथा पंचों ने ग्राम पंचायत सोहीबेलहा में रोजगार सहायक एवं सचिव के मनमानी कार्य एवं भ्रष्टाचार की जांच कराने, ग्राम बरबसपुर तहसील अनूपपुर के रामसहाय कोल ने प्रधानमंत्री आवास योजना की शेष राशि दिलाए जाने, तहसील पुष्पराजगढ़ अंतर्गत माध्यमिक शाला मझौली की मध्यान्ह भोजन सहायिका मीरा बाई ने मानदेय दिलाए जाने, जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम चंगेरी की आसमा प्रधान ने आंगनबाड़ी केन्द्र चंगेरी में आंगनबाड़ी सहायिका के चयन सूची में आपत्ति के संबंध में, जनपद पंचायत जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत पिपरिया की पूर्व सरपंच मंगली बैगा ने सरपंच कार्यकाल का मानदेय दिलाए जाने, ग्राम पंचायत पिपरिया के ही दयाशंकर पटेल ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति पटनाकला में बेचे गए गेहूं की राशि दिलाए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए।

मध्यप्रदेश में 14 अगस्त तक होगा विकास पर्व का आयोजन

अनूपपुर। मध्यप्रदेश में 16 जुलाई से 14 अगस्त तक विकास पर्व का आयोजन किया जा रहा है। विकास प्र्व के दौरान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जिलों में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमि पूजन करेंगे । विकास पर्व के दौरान राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्ग एवं सड़क निर्माण के कार्यों का भूमि पूजन किया जाएगा।अमृत 2.0 अंतर्गत शहरी पेयजल परियोजनाओं के तहत कार्य होंगे इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया जाएगा व जल जीवन मिशन अंतर्गत समूह पेयजल परियोजनाओं का भूमि पूजन करेंगे।विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों का सम्मेलन भी विकास पर्व में होगा।

सीएम राईज स्कूल पुष्पराजगढ़ पहुंच वरिष्ठ आएएस अधिकारी ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

स्कूली बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेष शासन स्कूल षिक्षा विभाग द्वारा भविष्य की भेंट कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश शासन के वरिष्ठ आएएएस अधिकारी श्री अभिजीत अग्रवाल ने पुष्पराजगढ़ स्थित सीएम राईज स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों को प्रेरणादायक और प्रेरक विचार से प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया भी मौजूद थे।

नागरिकों के कल्याण के लिए सरकार लगातार कर रही प्रयास : खाद्य मंत्री सिंह

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

खाद्य मंत्री ने अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के 29 ग्राम पंचायतों को वितरित किए वॉटर टैंकर

मध्यप्रदेश शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री तथा अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री बिसाहूलाल सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्राप्त आवंटन से अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र के 29 ग्राम पंचायतों को जीआई कोटेड वॉटर टैंकर क्षमता 5 हजार लीटर, वॉटर स्प्रिंकलर सिस्टम, वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, फायर फाईटिंग सिस्टम से युक्त टैंकर जिला मुख्यालय अनूपपुर के सर्किट हाऊस में समारोहपूर्वक आयोजित कार्यक्रम में वितरित किए। खाद्य मंत्री श्री सिंह ने अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत परासी, पयारी नं. 01, देवरी, धुरवासिन, अमलई, औढ़ेरा, सकरा, मेड़ियारास, केल्हौरी, बरबसपुर, लतार, पटना, डोंगराटोला, धनगवां पूर्वी, अमगवां, महुदा, जरियारी, छोहरी, पड़रिया, छिल्पा, धनगवां, बम्हनी, खम्हरिया, पड़ौर, बिजौड़ी, खांड़ा, धिरौल, कोलमी, रक?शा ग्राम पंचायतों को वॉटर टैंकर प्रदान किए। इस अवसर पर विन्ध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री रामदास पुरी, तहसीलदार अनूपपुर श्री आदित्य द्विवेदी, सीईओ जनपद अनूपपुर सुश्री ऊषा किरण गुप्ता, सीईओ जनपद जैतहरी श्री बीके मिश्रा, आत्मा गवर्निग बोर्ड के सदस्य श्री ज्ञानेंद्र सिंह परिहार, विधायक प्रतिनिधि श्री शैलेन्द्र सिंह, श्री सिद्धार्थ शिव सिंह, श्री चंद्रिका द्विवेदी, श्री शिवरतन वर्मा, श्री राम नारायण उरमलिया, श्री राजेश गुप्ता, श्री राजा तिवारी उपस्थित थे।

खाद्य मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने वॉटर टैंकर वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिले की ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति के आवश?यक कार्यों के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर नल से जल की उपलब्धता के कार्य किए जा रहे हैं। जिसका लाभ नागरिकों को बड़े पैमाने पर मिलना भी प्रारंभ हो गया है। परन्तु आपात स्थिति के लिए वॉटर टैंकर की उपलब्धता भी आवश?यक है, जिसे दृष्टिगत रखते हुए यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार नागरिकों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। वर्ष 2024 तक हर पात्र जरूरतमंद को प्रधानमंत्री आवास की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। सरकार द्वारा खाद्यान्न की व्यवस्था के साथ ही अनेक कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन तथा विकास के कार्य होने से नागरिकों को बड़े पैमाने पर लाभ भी मिला है।

विभिन्न मुद्दों को लेकर महाप्रबंधक कार्यालय के सामने 25 को होगा विशाल जंगी प्रदर्शन

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

SKMS एटक हसदेव क्षेत्र की क्षेत्रीय बैठक संपन्न

राजनगर श्रम संगठन SKMS एटक हसदेव क्षेत्र की बैठक दिनांक 15 जुलाई 2023 की हसदेव क्षेत्र के कोयला मजदूरों से सम्बंधित चाहे वे ठेका कामगार हो या स्थायी कोयला कामगार के कई मुद्दों को लेकर क्षेत्रीय SKMS कार्यालय भगत सिंह चौक राजनगर में SKMS के क्षेत्रीय अध्यक्ष कॉमरेड R.N. राम के अध्यक्ष्यता में बैठक संपन्न हुयी । उक्त बैठक में हसदेव क्षेत्र के समस्त शाखाओं के अध्यक्ष सचिव व क्षेत्रीय स्तर के समस्त पदाधिकारी व खउउ , कल्याण समिति ,सुरक्षा समिति ,आदि सभी व कार्यकताओं की उपस्थिति रही ।

उक्त बैठक को क्षेत्रीय महासचिव कॉमरेड कन्हैया सिंह के द्वारा गेवरा में कंपनी कार्यकारणी की बैठक में लिए गए निर्णय व कंपनी महामंत्री जी के निदेर्शों को विस्तार से बताया, लिए गए निर्णय के विषय में कॉमरेड कन्हैया सिंह ने कहा कंपनी के हर क्षेत्र में सभी मुद्दों को लेकरके जैसे खदान के अंदर के समस्त समस्यायों से जूझते हुए मजदूर बढ़ चढ़कर उत्पादन कार्य में अपना योगदान प्रदान करता है किन्तु मजदूर को उसके फलस्वररूप मजदूरों के सुविधाओं में कटौती क्यों की जा रही है मजदूर खदान के बाहर पीने योग्य पानी के लिए ,अस्वस्थ होने पर एक एक गोली के लिए कॉलोनी में साफ सफाई के लिए बजबजाती हुयी नालियों की सफाई के लिए ,सड़ांध से दुर्गन्ध मारती सेप्टिक टैंक के सफाई के लिए व समय पर पदोन्नति के लिए ,समय पर इंक्रीमेंट के लिए ,समय पर SLP लागू कराने के लिए ,रात के घुप्प अंधियारे में बरसात के महीने में जहां सर्प बिच्छू जहरीले कीड़े मकोड़े आदि का भारी भय बना रहता है वह प्रकाश के लिए ,कॉमरेड कन्हैया सिंह जी ने कहा सबसे बड़ा उपेक्षित व शोषित वर्ग ठेका कामगार जिसका दमन ठेकेदार व ठेकेदार के सहयोगी उच्च प्रबंधन के द्वारा किया जा रहा है उक्त वर्ग को न्याय दिलाने के लिए हसदेव क्षेत्र के हर इकाइयों पर दिनांक वार गेट मीटिंग की जाएगी तथा 25 जुलाई 2023 को क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय हसदेव क्षेत्र में एक विशाल जनसमूह एकत्रित होकर उपरोक्त समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदर्शन कर महाप्रबंधन हसदेव क्षेत्र को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा । हसदेव क्षेत्र के समस्त कामगार व ठेकाकामगारों से उक्त 25 जुलाई को भारी संख्या बल के साथ हसदेव क्षेत्र के क्षेत्रीय मुख्यालय पर एकत्रित होकर अपनी मांग के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की जाती है उक्त आशय की जानकारी प्रख्यात मजदूर नेता कामरेड विजय सिंह ने दिया ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715